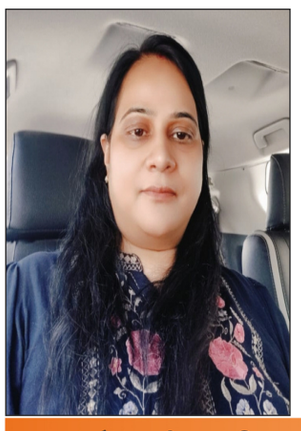


सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



जनपद में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 के पेज: 3

विवेक अग्निहोत्री के साथ पहली बार काम करेंगे कार्तिक पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 209 | मंगलवार 03 नवंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

साणंद में अंधविश्वास का खौफनाक सच : मानसिक विक्षिप्त पिता ने 10 वर्षीय बेटे की दी बलि

साणंद, एजेंसी। अहमदाबाद जिले के साणंद तालुका के विंछिया गांव में रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां मानसिक रूप से विक्षिप्त एक खेतिहर मजदूर नरेश पटेल ने अपने 10 वर्षीय इकलौते बेटे करण की बेरहमी से हत्या कर दी। चौंकाने वाली बात यह है कि हत्या के बाद आरोपी ने शव के पास ही चैन की नींद सो गया। गुजरात पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी पिता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पत्नी भारतीबेन से किसी बात पर विवाद हो गया था, जिसके बाद वह अपने मायके चली गई थी। बेटा स्कूल जाने के कारण पिता के पास ही रह गया था। रविवार रात नरेश ने गुस्से और अंधविश्वास में आकर बेटे को पैरों से पकड़कर घर में बनी देवी की वेदी के सामने जमीन पर कई बार पटका और डंडे से सिर पर वार कर उसकी जान ले ली। शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने पत्नी को बताया कि उसके पिता स्थानीय समुदाय में भुवा (देवी-देवता और लोगों के बीच मध्यस्थ) थे और उसने खुद भी यह भूमिका संभाली थी। उसने अंधविश्वास के चलते यह खौफनाक कदम उठाया ताकि भविष्य में परिवार में कोई और भुवा न बने।

महाराष्ट्र के 8 जिलों की अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी, एक साथ मिले ई-मेल से मचा हड़कंप

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की न्याय व्यवस्था में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब राज्य के आठ जिलों की जिला एवं सत्र अदालतों को एक साथ बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल मिले। ठाणे, सातारा, सोलापुर, सांगली, बीड, हिंगोली, परभणी और अमरावती की अदालतों को निशाना बनाकर भेजे गए इन ई-मेल के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। एहतियात के तौर पर सभी संबंधित अदालतों की इमारतों को खाली करा लिया गया। धमकी भरे ई-मेल मिलने के तुरंत बाद वरिष्ठ न्यायाधीशों ने पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को इसकी सूचना दी। इसके बाद न्यायाधीशों, वकीलों, कर्मचारियों और अदालत में मौजूद पक्षकारों को तत्काल बाहर निकाला गया। पुलिस, बम निरोधक एवं निष्क्रियकरण दस्ते (बीडीडीएस), डॉग स्क्वॉड और साइबर सेल की टीमें मौके पर पहुंचीं और अदालत परिसरों की सघन तलाशी शुरू की। ठाणे जिला अदालत को धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद ठाणे नगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। सुरक्षा के मद्देनजर अदालत परिसर में आवाजाही पर नियंत्रण लगा दिया गया। वहीं, सातारा जिला न्यायालय में भी बम से इमारत उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने पूरे परिसर को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। बीड जिला एवं सत्र न्यायालय में वरिष्ठ न्यायाधीशों को धमकी का ई-मेल मिलने के बाद वकीलों और पक्षकारों के बीच अफरा-तफरी मच गई। लोग आनन-फानन में अदालत परिसर से बाहर निकलने लगे। इसी तरह सोलापुर जिला न्यायालय में भी धमकी मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरी इमारत को खाली कराया गया। हिंगोली में धमकी भरा संदेश मिलते ही प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। बम निरोधक दस्ते ने न्यायाधीशों के चैंबर सहित सभी कक्षों की बारीकी से जांच की। अमरावती जिला एवं सत्र न्यायालय में भी पुलिस ने तत्काल सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी और पूरे परिसर की तलाशी ली। उधर, सांगली और परभणी जिला न्यायालयों को भी इसी तरह के धमकी भरे ई-मेल प्राप्त हुए। इसके बाद पुलिस, डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते की टीमें अदालत परिसरों में पहुंचीं। सभी स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाते हुए सघन तलाशी अभियान चलाया गया। एक ही समय में राज्य के आठ जिलों की अदालतों को धमकी भरे ई-मेल मिलने से पुलिस प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। अब साइबर पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ये ई-मेल कहां से और किसने भेजे हैं। इसके पीछे किसी शरारती तत्व का हाथ है या फिर कोई बड़ी साजिश रची गई है, इसकी भी जांच की जा रही है।

पीएम मोदी आज करेंगे भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026 का उद्घाटन

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार शाम करीब 4:30 बजे नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026 का उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर वे उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित भी करेंगे। 2 से 5 नवंबर तक चलने वाले इस चार दिवसीय वैश्विक शिखर सम्मेलन में दुनिया भर के नीति-निमार्ता, निवेशक, वित्तीय संस्थान और उद्योग जगत के प्रमुख व्यक्ति एक मंच पर आएंगे। इसका मुख्य उद्देश्य अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ाने, नवाचार को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को मजबूत करना है। वैश्विक भागीदारी और देश भागीदार प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, इस समिट में 130 से अधिक देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इनमें 40 से ज्यादा मंत्री भी शामिल होंगे। यह मंच स्वच्छ ऊर्जा में निवेश, उद्योग भागीदारी और तकनीकी सहयोग के लिए महत्वपूर्ण



वैश्विक प्लेटफॉर्म बनेगा। ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और यूनाइटेड किंगडम कंट्री पार्टनर के रूप में इसमें शामिल हो रहे हैं। राज्यों की भागीदारी 13 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भी इस आयोजन में अपनी अक्षय ऊर्जा क्षमता, निवेश अवसरों और विनिर्माण ताकत का प्रदर्शन करेंगे। इनमें आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। तीन बड़े मंच एक साथ यह समिट इंटरनेशनल सोलर अलायंस (आईएसए) असेंबली के नौवें सत्र और

भारत आरई 2026: निवेश, उद्योग और तकनीकी साझेदारियों पर फोकस आईएसए असेंबली: सौर ऊर्जा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग, वित्त और क्षमता निर्माण...

ग्रीन हाइड्रोजन पर चौथे इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (आईसीजीएच) के साथ आयोजित हो रहा है। इससे स्वच्छ ऊर्जा के तीन प्रमुख वैश्विक मंच एक जगह जुड़ेंगे। भारत आरई 2026: निवेश, उद्योग और तकनीकी साझेदारियों पर फोकस आईएसए असेंबली: सौर ऊर्जा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग, वित्त और क्षमता निर्माण ग्रीन हाइड्रोजन कॉन्फ्रेंस: तकनीकों, निवेश और बड़े पैमाने पर क्रियान्वयन इनके एक साथ आयोजन से अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत होने और स्वच्छ ऊर्जा समाधानों को तेजी से लागू करने की उम्मीद है। कार्यक्रम का स्वरूप और प्रदर्शनी समिट में पूर्ण सत्र, मंत्रिस्तरीय चर्चाएं, सीईओ राउंडटेबल तथा देश और राज्य स्तरीय सत्र होंगे। बिजनेस-टू-बिजनेस, बिजनेस-टू-गवर्नमेंट और गवर्नमेंट-टू-गवर्नमेंट संवाद के जरिए निवेश, साझेदारी और परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ चलने वाली प्रदर्शनी में 400 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा लेंगे। वे सौर और पवन ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, ऊर्जा भंडारण तथा अन्य उभरते क्षेत्रों की उन्नत तकनीकें और भारतीय विनिर्माण क्षमताएं प्रदर्शित करेंगे। यह आयोजन भारत के प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा निवेश शिखर सम्मेलन आरई-इन्वेस्ट की विरासत को आगे बढ़ाते हुए स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में वैश्विक जुड़ाव का व्यापक मंच प्रदान

चिदंबरम का नितिन नवीन से सवाल- 3 करोड़ घुसपैठिए हैं कौन, क्यों काटे 13.30 करोड़ नाम?

-कांग्रेस नेता ने घुसपैठियों की पहचान सार्वजनिक करने की मांग की

नई दिल्ली , एजेंसी। देश में घुसपैठियों की संख्या और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के देश में तीन करोड़ घुसपैठिए होने के दावे पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सवाल करते हुए सरकार से घुसपैठियों की पहचान सार्वजनिक करने और कानून के मुताबिक कार्रवाई करने की मांग की है।

चिदंबरम का सवाल है, कि भाजपा अध्यक्ष ने जिन तीन करोड़ घुसपैठियों की बात कही है, वे कौन हैं और क्या केंद्र तथा राज्य सरकारों ने उनकी पहचान कर ली है? यदि हरियाणा के लोगों को घुसपैठियों की जानकारी है तो राज्य सरकार उनके नाम सार्वजनिक कर कार्रवाई क्यों नहीं करती? इसी के साथ ही चिदंबरम ने कहा, कोई भी घुसपैठियों को बचाने की कोशिश नहीं कर रहा



है, लेकिन उनकी पहचान और संख्या को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने आनी चाहिए। चिदंबरम ने सवाल किया है, यदि देश में तीन करोड़ घुसपैठिए हैं तो एसआईआर के दौरान 13.30 करोड़ नाम क्यों हटाए गए? क्या हटाए गए सभी नाम मृत लोगों के थे? उन्होंने पश्चिम बंगाल में अपील के बाद दोबारा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने वाले लोगों का भी उल्लेख किया। उनके मुताबिक, हटाए गए नामों में से 91 से 93 प्रतिशत लोगों ने अपील में सफलता हासिल की। उन्होंने पूछा कि क्या ये लोग भी घुसपैठिए थे?

कांग्रेस पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप

दूसरी ओर, नितिन नवीन ने कांग्रेस पर चुनावी नतीजों को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु और केरल में जीत मिलने पर कांग्रेस लोकतंत्र को सही मानती है, लेकिन पश्चिम बंगाल में हारने पर चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाती है। नवीन ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस चुनाव आयोग और संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाकर केवल राजनीतिक मुद्दे खड़े कर रही है। उन्होंने बिहार में बूथ लेवल एजेंटों की मौजूदगी और शिकायतों का हवाला देते हुए कांग्रेस की मंशा पर सवाल उठाए।

महादेव एप मामले में सौरभ चंद्राकर का प्रत्यर्पण: सीएम साय ने बताया बड़ी सफलता

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महादेव ऑनलाइन सट्टा एप घोटाले के कथित सरगना सौरभ चंद्राकर के प्रत्यर्पण को बड़ी सफलता बताया है। दिल्ली रवाना होने से पहले रायपुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए, मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि उससे पूछताछ के बाद उन लोगों की पहचान सामने आएगी, जिन्हें इस अवैध सट्टा सिंडिकेट से प्रोटेक्शन मनी मिलता था। उन्होंने कार्रवाई के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और अन्य केंद्रीय एजेंसियों को धन्यवाद दिया, जिन्होंने चंद्राकर को ओमान से भारत वापस लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सीबीआई अधिकारियों ने बताया था कि एजेंसी ने छह हजार करोड़ रुपये के कथित महादेव ऑनलाइन बेटिंग एप घोटाले के सिलसिले में चंद्राकर को ओमान से प्रत्यर्पित कराया है। सीबीआई की टीम आरोपी चंद्राकर को भारत लेकर आई थी और सोमवार को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। चंद्राकर दो सीबीआई मामलों और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक मामले में वांछित था, जिसमें पहले ही आरोपपत्र दाखिल किए जा चुके हैं। उसके खिलाफ जारी रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर रॉयल ओमान पुलिस ने हिरासत में लिया था, जिसके बाद सीबीआई और ईडी के औपचारिक अनुरोध पर प्रत्यर्पण संभव हो पाया। जांच में खुलासा हुआ है कि महादेव ऑनलाइन बुक देश के सबसे बड़े अवैध ऑनलाइन बेटिंग सिंडिकेट में से एक था, जिसे भारत के बाहर से फ्रेंचाइजी पैनलों के जरिए संचालित किया जा रहा था।

राहुल गांधी खुद आज लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती: सुधांशु त्रिवेदी

- राहुल के आने से पहले कांग्रेस कई राज्यों में शून्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी पर चुनावी प्रक्रियाओं के बारे में गलत नैरेटिव फैलाने का आरोप लगाकर कहा कि कांग्रेस पार्टी भारत के लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। बीजेपी सांसद त्रिवेदी ने टिप्पणी करते हुए विपक्ष की उस प्रवृत्ति पर सवाल उठाया, जिसमें वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति और बढ़ती राष्ट्रीय गौरव की भावना से खुश नहीं दिखते। बीजेपी सांसद त्रिवेदी ने कांग्रेस के कई राज्यों में लंबे समय से सत्ता से बाहर रहने का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ओडिशा में बीते 25 वर्षों से, गुजरात में 1995 से और उत्तर प्रदेश तथा बिहार में 1990 के दशक से सत्ता से बाहर है। इन राज्यों में कुल 120 लोकसभा सीटें आती हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने राहुल गांधी के सत्ता-विरोधी लहर (एंटी-इनकम्बेंसी) के दावे को खारिज कर कहा कि वास्तविकता इससे काफी अलग है।



बीजेपी त्रिवेदी ने राहुल गांधी को याद दिलाया कि उनकी पार्टी, उनके राजनीति में आने से बहुत पहले ही, उन राज्यों में भी 10 सीटें जीतने की स्थिति में नहीं थी जहाँ कुल 230 लोकसभा सीटें आती हैं। उन्होंने सवाल किया कि यदि कांग्रेस उन 230 सीटों में पहले से ही कमजोर थी, तब शेष 300 सीटों में से 272 जीतने की उम्मीद कैसे हो सकती थी? यह आंकड़ा कांग्रेस की वास्तविक स्थिति को दिखाता है और चुनावी परिणामों पर उनके गलत नैरेटिव को बेनकाब करता है। बीजेपी नेता ने कांग्रेस पार्टी के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलएस) की भूमिका पर भी प्रश्नचिह्न लगाया। उन्होंने पूछा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया की निगरानी में उनकी क्या भूमिका थी। त्रिवेदी ने स्पष्ट किया कि जहां चुनाव आयोग सरकारी कर्मचारियों (बीएलओ) के माध्यम से मतदाता सूची को अपडेट करता है, वहीं राजनीतिक दल अपने बीएलओ नियुक्त करते हैं ताकि इस प्रक्रिया पर नज़र रखी जा सके। पूरे देश में, चुनाव आयोग द्वारा 12 लाख बीएलओ और विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा 22 लाख बीएलए नियुक्त किए गए हैं। बीजेपी सांसद त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस का मौजूदा रवैया न केवल तथ्यों से परे है, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए एक गंभीर चुनौती भी प्रस्तुत करता है, क्योंकि वे चुनावी प्रक्रियाओं पर गलत धारणाएं फैलाने का प्रयास कर रहे हैं।

यूपी चुनाव 2027 के लिए बीजेपी का मेगा प्लान, पीएम मोदी की 18 मंडलों में होंगी रैलियां

बीजेपी के चाणय अमित शाह संभालने वाले हैं चुनावी रणनीति

लखनऊ, एजेंसी । उत्तरप्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अभी से तैयारियां तेज करने की रणनीति तैयार की है। दिवाली के बाद पार्टी प्रदेश में तीन स्तरों पर व्यापक चुनावी अभियान शुरू करने की तैयारी में है। नवंबर और दिसंबर के दौरान चलने वाले अभियान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अहम भूमिका होगी। पार्टी का लक्ष्य चुनाव से काफी पहले प्रदेश के सभी क्षेत्रों में अपनी राजनीतिक और संगठनात्मक पकड़ मजबूत करना है।

सूत्रों के मुताबिक, भाजपा की प्रस्तावित रणनीति के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही रहने वाले है। पीएम मोदी उत्तर प्रदेश के सभी 18 प्रशासनिक मंडलों में बड़ी रैलियों को संबोधित कर सकते हैं। इन रैलियों के जरिए पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ाने, मतदाताओं तक सरकार की उपलब्धियां पहुंचाने और भाजपा के पक्ष में माहौल तैयार करने की कोशिश की जाएगी। पार्टी चाहती है कि उसका संदेश प्रदेश के हर प्रमुख क्षेत्र तक सीधे पहुंचे।

वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री शाह चुनावी रणनीति और संगठनात्मक तैयारियों की कमान संभालने वाले है। उनके नेतृत्व में अलग-अलग जिलों और क्षेत्रों में रैलियां तथा बूथ स्तरीय सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और संगठन के जमीनी नेटवर्क को मजबूत करने पर विशेष ध्यान होगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन विधानसभा क्षेत्र स्तर पर अभियान को गति देने वाले है। इसके तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क कार्यक्रम, रैलियां और संगठनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। मुख्यमंत्री योगी भी अभियान का महत्वपूर्ण चेहरा है। वह जिला स्तर पर रैलियां कर सभी विधानसभा क्षेत्रों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे है। बताया जा रहा है कि 20 नवंबर के बाद अभियान पूरी गति पकड़ सकता है। इसके लिए पार्टी बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर रही है। प्रस्तावित योजना के तहत प्रत्येक बूथ कार्यकर्ता और छोटी टीम को कम से कम 50 परिवारों तक पहुंचने की जिम्मेदारी दी जाएगी। कार्यकर्ता घर-घर जाकर भाजपा सरकार की उपलब्धियों और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देने वाले है। इस चुनावी रणनीति में युवा और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को भी विशेष महत्व दिया गया है। पार्टी इन मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित करने और सरकार की योजनाओं से जोड़ने पर जोर देगी। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भी अभियान चलाया जाएगा। स्थानीय कार्यकर्ताओं को रैलियों, जनसभाओं और क्षेत्रीय कार्यक्रमों की तस्वीरें, वीडियो और अपडेट साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। भाजपा की इस तीन स्तरीय रणनीति का मकसद 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में संगठन को मजबूत करना और व्यापक जनसमर्थन जुटाना है।

सोनिया की लालू से मुलाकात, तेजस्वी ने कहा... चुनौतियों के लिए एकजुट हो विपक्ष

नई दिल्ली,एजेंसी। नई दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना। इस दौरान राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव भी मौजूद रहे, जिन्होंने देशभर में विपक्षी दलों को एकजुट होकर वर्तमान चुनौतियों का सामना करने का आह्वान किया। यह मुलाकात दिल्ली स्थित लालू प्रसाद की बड़ी बेटी और पाटलिपुत्र सांसद मीसा भारती के आवास पर हुई। तेजस्वी ने बताया कि लालू यादव नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए दिल्ली आए हुए थे। रविवार को उनकी सोनिया गांधी से फोन पर बात हुई थी और लालू प्रसाद के दिल्ली में होने की जानकारी मिलने पर सोनिया गांधी ने स्वयं उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की थी, जिसके बाद यह भेंट हुई। उन्होंने दोनों परिवारों के बीच दशकों पुराने मधुर संबंधों का जिक्र कर कहा कि सोनिया गांधी और लालू प्रसाद ने हमेशा एक-दूसरे के कठिन समय में सहयोग किया है। यह एक लंबे अंतराल के बाद दोनों नेताओं की मुलाकात थी। तेजस्वी ने विपक्षी एकजुटता पर जोर देकर कहा कि केवल बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे देश में विपक्षी दलों को एक साथ आकर मजबूती से चुनौतियों का सामना करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक सभी विपक्षी दल एकजुट नहीं होते हैं, तब तक वर्तमान लड़ाई को जीता नहीं जा सकता। उनका यह बयान विपक्षी इंडिया गठबंधन की मजबूती के प्रयासों के बीच आया है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े मुद्दे पर अपनी बात रखी, जिसमें कहा कि जब तक उन पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक विपक्ष चुप नहीं बैठेगा और उनका संघर्ष जारी रहेगा। दिल्ली के रामलीला मैदान में हाल ही में हुई रैली को फ्लॉप बताने के दावों को खारिज कर तेजस्वी ने कहा कि विरोधी बेचैन और परेशान हैं, क्योंकि उनकी चोरी पकड़ी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग लोकतंत्र को कुचलकर उसका अनुचित लाभ उठा रहे हैं। महाभारत की लड़ाई और कृष्ण के बारे में पूछने पर उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि पहले शकुनि को जान लीजिए।

जयशंकर ने दो टूक सुनाया, भारत की विदेश नीति किसी के दबाव में नहीं चलेगी

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि उसकी विदेश नीति किसी दूसरे देश के दबाव या निर्देशों से तय नहीं होगी। विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी और रूस से तेल खरीदने जैसे मुद्दों पर भारत का रुख मजबूती से रखा है। उन्होंने साफ संदेश दिया कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखकर स्वतंत्र फैसले लेने के लिए प्रतिबद्ध है। उनके रुख को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दबाव की राजनीति के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है।

अटलांटा में आयोजित जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक और क्वाड से जुड़ी बातचीत के दौरान भारत ने अपनी रणनीतिक स्वायत्तता पर जोर दिया। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों की क्वाड बैठक में जयशंकर के साथ अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग शामिल हुईं।

बैठक के दौरान जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों में किसी भी देश पर दबाव बनाने की नीति को लेकर भारत का रुख स्पष्ट किया। खासकर रूस से तेल खरीदने के मामले में भारत ने कहा है कि उसकी ऊर्जा नीति देश की जरूरतों और राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय होती है। अमेरिका के साथ क्वाड जैसे महत्वपूर्ण मंच पर साझेदारी होने के बावजूद भारत हर मुद्दे पर वाशिंगटन के विचारों से सहमत होने के लिए बाध्य नहीं है।

जयशंकर ने वैश्विक संघर्षों का मुद्दा उठाकर कहा कि युद्धों और अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर केवल संघर्ष में शामिल देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी दुनिया को इसकी आर्थिक और अन्य कीमत चुकानी पड़ती है। आतंकवाद के मुद्दे पर भी भारत अपना सख्त रुख दिखाया है। जयशंकर स्पष्ट कर चुके हैं कि आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस भारत की नीति है और इस मामले में किसी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। भारत का रुख चीन और अमेरिका सहित सभी वैश्विक शक्तियों के लिए स्पष्ट संदेश माना जा रहा है कि नई दिल्ली अपनी विदेश नीति स्वतंत्र रूप से तय करेगी। रणनीतिक साझेदारी के बावजूद राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं किया जाएगा।

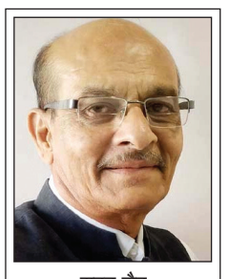


संपादकीय

क्रूर होती मासूमियत

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में एक आठ साल का बच्चा, छह साल की बच्ची को क्रूरता के साथ पीटता-कुचलता नजर आया। पंचकूला के एक निजी स्कूल में घटी इस घटना ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। स्कूली छात्रों में नोक-झोंक, वाद-विवाद, मतभेद-मनभेद हमेशा होते रहे हैं। ऐसे में टीचर या अभिभावक तक शिकायत करके बात खत्म हो जाती थी। लेकिन यह आठ साल का बच्चा, जिस क्रूरता से केजी की बच्ची को खत्म करने की कोशिश में लगा था, उसने हमारे नीति-नियंताओं, शिक्षकों, अभिभावकों और आम लोगों तक को स्तब्ध कर दिया। बच्चे ने इस हमले को सुनियोजित तरीके से, समय-जगह का चुनाव करके अंजाम दिया। वह समय चुना जब उसके अपराध को देखने वाला कोई नहीं था। विज्ञान का धन्यवाद, जिसने सीसीटीवी कैमरा हमें उपलब्ध कराया। अन्यथा कोई विश्वास नहीं करता कि इतना छोटा बच्चा एक पेशेवर अपराधी की तरह वारदात को अंजाम देगा। हो सकता था रिकॉर्डिंग न होने पर किसी निर्दोष के सिर इस हमले का आरोप लग जाता। निस्संदेह, इस हादसे में स्कूल प्रशासन की गंभीर चूक है। आखिर स्कूल से अंतिम बच्चे के बाहर निकलने तक सुरक्षा की जिम्मेदारी क्यों नहीं निभायी गई? अब स्कूल पढ़ने जा रही छोटी बच्चियों व बच्चों के मां-बाप इस घटना से भयाक्रांत हैं कि क्या उनका बच्चा स्कूल में सुरक्षित है? शिक्षकों को भी इस बात को गंभीरता से समझना होगा कि बदलते दौर में बच्चे पहले जैसे नहीं रहे। शिक्षक-अभिभावक से ज्यादा उन्हें आज जो सबसे ज्यादा ज्ञान बांट रहा है, वह मोबाइल है। जो तमाम तरह की हिंसा सिखाने का स्रोत बन गया है। इस घटना के बाद, इस आठ साल के छात्र की क्रूर व्यवहार की वजह उसका मोबाइल पर हिंसक फ्री-फायर गेम खेलना बताया जा रहा है। जो एक ऑनलाइन एक्शन व शूटिंग आधारित गेम है। जिसमें खिलाड़ी हथियार, गोलियों और अन्य घातक साधनों से प्रतिद्वंद्वी का मुकाबला करते हैं। हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि बच्चों को छोटी उम्र में मोबाइल उपलब्ध कराने के घातक परिणाम भी हो सकते हैं। आमतौर पर अभिभावक अपने काम करने या आराम करने के दौरान बच्चों को बहलाने के लिये मोबाइल पकड़ा देते हैं। लेकिन यह भूल जाते हैं कि इंटरनेट पर प्रसारित होने वाले हिंसक कार्यक्रम बच्चों को कितने गहरे तक प्रभावित करते हैं। बच्चे का दिमाग एक कोरी स्लेट की तरह से होता है। उस पर जैसी छाप बचपन में पड़ती है, वही भविष्य में उसकी सोच व जीवन की दिशा निर्धारित करती है। जिस पश्चिमी संस्कृति व जीवन शैली पर आधारित गेम्स का इन दिनों मोबाइल पर प्रचलन है, वे बच्चों को संवेदनहीन और निर्मम बना रहे हैं। बच्चों में लगातार अधैर्य, अशांति व आक्रामकता बढ़ रही है। बच्चों को ये लगता है कि व्यावहारिक जीवन में भी ऐसा ही व्यवहार सामान्य बात है। बच्चों के व्यवहार में आ रहा यह बदलाव एक घातक संकेत है। हमारे नीति-नियंताओं और शिक्षकों-अभिभावकों को सजग-सतर्क होकर इस संकट के समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास करना होगा।

लोकतंत्र बचाने की लड़ाई में सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने


सनत जैन

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में यह एक असाधारण राजनीतिक स्थिति है, जब सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही लोकतंत्र बचाने का नारा लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को इंडिया गठबंधन की वोट बचाओ, देश बचाओ रैली और इसके जवाब में भाजपा का देशव्यापी लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान इस बात का संकेत है। चुनावी प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक संघर्ष अब संसद की सीमाओं से बाहर निकलकर सड़कों तक पहुंच गया है। इंडिया गठबंधन की रैली की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें 21 विपक्षी दलों के नेताओं ने एक साथ मंच साझा किया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राजद, वामपंथी दलों सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली एसआईआर के माध्यम से मतदाताओं के नाम काटने तथा चुनाव के दौरान कंप्यूटर की सहायता से भारी हेरफेर किए जाने के आरोप मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लगाए गए और सवाल उठाए गए। इस आयोजन में राजनीतिक नेताओं के साथ सामाजिक संगठनों, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों, युवाओं और उन मतदाताओं ने भी भागीदारी की, जिनके नाम मतदाता सूची से हटाए गये थे। 31 अक्टूबर को आयोजित प्रतीकात्मक जन संसद में भी विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ छह आरोपों के साथ प्रस्ताव पारित किया। विपक्ष की मांग है, ज्ञानेश कुमार को पद से हटाया जाये। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच हो। इस पूरे विवाद की जड़ एसआईआर यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़ी हुई है। इंडियन एक्सप्रेस की पड़ताल के अनुसार 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की प्रारूप मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए गए। सबसे गंभीर बात यह है कि चुनाव आयोग के ही दो अन्य आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कई बार आयोग के भीतर प्रक्रियाओं और फैसलों पर लिखित आपत्तियां दर्ज कराई थीं। अखबार की रिपोर्ट में ऐसी 14 आपत्तियों का उल्लेख है। इससे चुनाव आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं। ज्ञानेश कुमार एक तरफा फैसला ले रहे थे।

राहुल गांधी ने रामलीला मैदान में अपने भाषण के दौरान ज्ञानेश कुमार और चुनावी प्रक्रिया को लेकर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी में शामिल लोगों को जवाबदेह बनाया जाएगा। ममता बनर्जी ने भी बताया पश्चिम बंगाल का चुनाव किस तरह लूटा गया है, डकैती डाली गई है। रैली में वक्ताओं ने बड़े आक्रामक तरीके से चुनाव आयोग द्वारा की गई गडबड़ियों का उल्लेख किया। दूसरी ओर भाजपा ने विपक्ष के आंदोलन को अराजकता फैलाने की कोशिश बताते हुए देशभर में जवाबी कार्यक्रम आयोजित किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के समर्थन में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, अमित शाह और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने अलग-अलग राज्यों में पदयात्राओं और सभाओं के माध्यम से विपक्ष के ऊपर हमला किया है। यह भी सत्य है कि इस बार विपक्ष के साथ भारी भीड़ है, जनमानस का समर्थन प्राप्त है। उसके मुकाबले में भाजपा की पदयात्रा और रैली में वह भीड़ देखने को नहीं मिली जो होना चाहिए थी। यह राजनीतिक संघर्ष अब केवल राहुल गांधी और नरेंद्र मोदी अथवा कांग्रेस और भाजपा के बीच नहीं रह गया है। इसका सीधा संबंध देश की संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से जुड़ गया है। चुनाव आयोग पर आरोप लगना और उन आरोपों का राजनीतिक रूप से जवाब देना, अलग बात है। आयोग की निष्पक्षता पर आम जनता और राजनीतिक दलों का भरोसा बना रहना अनिवार्य है। मामला सुप्रीम कोर्ट में भी लंबित है। आरोपों का अंतिम निर्णय तथ्यों, जांच और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर होगा। विपक्ष ज्ञानेश कुमार की स्थिति को लेकर जो दबाव बना रही है, सत्ता पक्ष के ऊपर उसका कोई असर नहीं पड़ रहा है। उल्टे सत्ता पक्ष द्वारा विपक्ष को घेरने की कोशिश की जा रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है, देश पहले से ही महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक सुस्ती, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मे बढ़ता टकराव सरकार के विकास कार्यों एवं जरूरी मुद्दों पर समय पर निर्णय नहीं ले पाने के कारण सरकार की परेशानी दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। इसका असर अंतोगत्वा जनता पर ही पडना है। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की अपनी-अपनी भूमिका है। विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना है। सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी उन सवालों का जवाब देना है। चुनाव आयोग को भी अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए पारदर्शिता के साथ प्रश्नों का जवाब देने के लिए सामने आना चाहिए। यदि विपक्ष के आरोप गलत हैं, तो तथ्यों के साथ चुनाव आयोग द्वारा उन्हें खारिज किया जाना चाहिए। यदि कहीं गड़बड़ी हुई है, तो उसकी निष्पक्ष जांच और उसमें सुधार होना चाहिए। चुनाव आयोग को अपनी कार्य प्रणाली इस तरीके से तैयार करनी होगी, जिसमें सभी राजनीतिक दलों को विश्वास हो। पिछले 7 दशकों में राजनीतिक दलों और चुनाव आयोग के बीच जो विश्वास बना था वह पूरी तरह से खत्म हो चुका है। लोकतंत्र किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं है। वह 140 करोड़ देशवासियों का साझा अधिकार और विश्वास है। सवाल यह नहीं होना चाहिए, सड़क पर कौन जीता और कौन हारा, बल्कि यह होना चाहिए देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कैसे कायम रहे। यदि सत्ता और विपक्ष ने राजनीतिक अहंकार से ऊपर उठकर समाधान नहीं खोजा, तो इस टकराव का नुकसान अंततः देश और आम नागरिकों को ही उठाना पड़ेगा।

रामलीला मैदान से लोकतंत्र की हुंकार


कुमार कृष्णन

दिल्ली का रामलीला मैदान 1 नवंबर 2026 को एक बार फिर भारतीय राजनीति के केंद्र में था। इंडिया गठबंधन की महारैली केवल विपक्षी दलों का शक्ति प्रदर्शन नहीं थी, बल्कि मतदाता सूची, चुनावी पारदर्शिता, निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर उठे सवालों का राष्ट्रीय मंच भी थी। वोट बचाओ, देश बचाओ के नारे के साथ आयोजित इस रैली में उमड़ी भीड़ ने यह संकेत दिया कि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया से जुड़े विवाद को संसद और राजनीतिक बयानबाजी से आगे ले जाकर जनांदोलन का रूप देना चाहता है।

रैली में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव सहित विभिन्न राज्यों के नेताओं की मौजूदगी ने इसे व्यापक राजनीतिक स्वरूप दिया। अलग-अलग विचारधाराओं और क्षेत्रीय हितों वाले दलों का एक मंच पर आना अपने आप में महत्वपूर्ण था। इस आयोजन में बिहार कांग्रेस के नेताओं और पिछड़ा वर्ग विभाग के पदाधिकारियों की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही।

रैली की प्रमुख तस्वीर राहुल गांधी की रही। भारी भीड़ के कारण पदयात्रा के बजाय वे खुले वाहन से रामलीला मैदान पहुंचे। उनके साथ प्रियंका गांधी और दूसरे विपक्षी नेता भी थे। सड़कों पर उमड़े कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच खुले वाहन से नेताओं का आगे बढ़ना जनसंपर्क और शक्ति प्रदर्शन का प्रतीक बना।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर कथित वोट चोरी के मुद्दे को लेकर तीखा हमला किया। उनका आरोप था कि मतदाता सूची में गड़बड़ियों के माध्यम से लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। राहुल गांधी का कहना था कि यदि योग्य नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाते हैं तो चुनाव की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े होंगे।

उनके भाषण का राजनीतिक संदेश स्पष्ट था। कांग्रेस इस मुद्दे को केवल निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे संविधान, नागरिक अधिकार और सत्ता की जवाबदेही से जोड़ रही है। हालांकि विपक्ष के आरोपों को प्रमाणित तथ्य मानने के बजाय उनकी स्वतंत्र जांच और आयोग के जवाब के संदर्भ में देखना जरूरी है। इस महारैली का एक अलग और आकर्षक दृश्य पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव (राजेश रंजन) का तिरंगा मार्च रहा। वे हजारों साधु-संतों और समर्थकों के साथ रामलीला मैदान पहुंचे। हिमाचल भवन और कनॉट प्लेस से मिंटो ब्रिज होते हुए आगे बढ़े इस काफिले में साधु-संतों और कार्यकर्ताओं के हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा था।

पप्पू यादव ने आंदोलन को लोकतंत्र, संविधान और आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा से जोड़ते हुए केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखे राजनीतिक हमले किए। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई किसी एक राजनीतिक दल या व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और आम लोगों के अधिकारों को बचाने के लिए है।

इस मार्च का महत्व केवल उसमें शामिल लोगों की संख्या में नहीं था। साधु-संतों की भागीदारी ने राजनीतिक विरोध को व्यापक सामाजिक स्वरूप देने का प्रयास किया। भारतीय राजनीति में धार्मिक-सामाजिक समूहों की सार्वजनिक भागीदारी का अपना इतिहास है। इस अवसर पर तिरंगा लेकर उनका मताधिकार और संविधान से जुड़े सवालों पर मार्च करना एक अलग संदेश दे रहा था। पप्पू यादव की इस पहल ने रैली में सामाजिक भागीदारी का एक नया पक्ष जोड़ा।

रामलीला मैदान की महारैली के संदर्भ में बिहार कांग्रेस की भागीदारी को विशेष महत्व देना चाहिए। बिहार की राजनीति में सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व और राजनीतिक हिस्सेदारी हमेशा महत्वपूर्ण मुद्दे रहे हैं। ऐसे में बिहार प्रदेश कांग्रेस के ओबीसी विभाग के पदाधिकारियों की सक्रियता को केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम में भागीदारी के रूप में नहीं देखा जा सकता।

बिहार प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग की उपाध्यक्ष सोनी कुमारी, विभाग के अध्यक्ष अनुराग चंदन और मुंगेर जिला कांग्रेस कमेटी के ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष राकेश कुमार मंडल की भूमिका इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। इन पदाधिकारियों के सामने चुनौती है कि राष्ट्रीय स्तर पर उठाए जा रहे लोकतांत्रिक अधिकारों और सामाजिक न्याय के सवालों को बिहार के गांवों, कस्बों और जिला मुख्यालयों तक पहुंचाएं।

सोनी कुमारी की भूमिका महिला प्रतिनिधित्व के सवाल से भी जुड़ती है। पिछड़े वर्ग की महिलाओं के सामने शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और राजनीतिक भागीदारी की अनेक चुनौतियां हैं। संगठन में महिलाओं की मौजूदगी तभी सार्थक होगी जब उन्हें निर्णय लेने और जनसंपर्क अभियान संचालित करने में वास्तविक भूमिका मिले। राजनीति में महिला प्रतिनिधित्व केवल पदों की संख्या नहीं, बल्कि नेतृत्व और अधिकार की भागीदारी भी है।

अनुराग चंदन के नेतृत्व में ओबीसी विभाग के सामने सामाजिक न्याय के मुद्दों को व्यापक राजनीतिक कार्यक्रम से जोड़ने की जिम्मेदारी है। जातीय जनगणना, आरक्षण, शिक्षा, रोजगार और आर्थिक अवसरों की समानता जैसे प्रश्नों पर संगठन को लगातार संवाद करना होगा। मतदाता सूची में किसी योग्य नागरिक का नाम छूटना भी सामाजिक न्याय से जुड़ा सवाल है, क्योंकि मताधिकार नागरिक की राजनीतिक पहचान और भागीदारी का आधार है।

मुंगेर जिला कांग्रेस कमेटी के ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष राकेश कुमार मंडल की जिम्मेदारी भी इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय मंचों पर उठे सवालों को स्थानीय स्तर तक ले जाना जिला संगठनों का काम है। मतदाता सूची में नामों की जांच, नए मतदाताओं का पंजीकरण और नाम हटाए जाने से संबंधित शिकायतों में नागरिकों की सहायता जैसे कामों से ही यह अभियान व्यावहारिक रूप ले सकता है।

बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू के नेतृत्व में प्रदेश संगठन के सामने भी यही चुनौती है। संगठनात्मक विस्तार के साथ पिछड़े, अति पिछड़े, दलित, महिला और युवा वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। बिहार कांग्रेस को गठबंधन की राजनीति के साथ अपनी स्वतंत्र संगठनात्मक पहचान और जमीनी सक्रियता भी मजबूत करनी होगी।विभिन्न प्रदेशों की भागीदारी और विपक्षी एकता

रामलीला मैदान की रैली की विशेषता विभिन्न राज्यों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं की भागीदारी थी। उत्तर प्रदेश से अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल से ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी, बिहार से तेजस्वी यादव, झारखंड से हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन, जम्मू-कश्मीर से फारूक अब्दुल्ला तथा महबूबा मुफ्ती और दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों से आए नेताओं ने इस आयोजन को राष्ट्रीय स्वरूप दिया। वामपंथी दलों की मौजूदगी ने भी विपक्षी एकजुटता को व्यापक बनाया।

इस भागीदारी के पीछे अलग-अलग राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां हैं। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर तृणमूल कांग्रेस की आशंकाएं हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने नाम हटाए जाने के सवाल उठाए हैं। बिहार में भी मतदाता अधिकार और चुनावी पारदर्शिता का मुद्दा राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है। झारखंड सहित दूसरे राज्यों के नेताओं ने भी इस प्रश्न को लोकतांत्रिक अधिकारों से जोड़ा। अखिलेश यादव ने अपने भाषण में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मुद्दे को उठाया। तेजस्वी यादव ने इसे मतदाताओं के अधिकारों की लड़ाई बताया। ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। इस तरह अलग-अलग प्रदेशों की राजनीतिक चिंताएं एक साझा मंच पर सामने आईं।

गरीबी से मुक्तिः भारत में उम्मीद का नया उजाला



किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक विस्तार अथवा वैश्विक आर्थिक रैंकिंग से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर आए। वर्ष 2028 तक इस अनुपात के 12.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान भी व्यक्त किया गया है। ये आंकड़े भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा में एक बड़े परिवर्तन के प्रमाण हैं। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। इन योजनाओं की विशेषता यह है कि इन्होंने गरीबी को केवल आय की कमी के रूप में नहीं देखा, बल्कि आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर उसका समाधान करने का प्रयास किया है।

किसी निर्धन परिवार को पक्का मकान मिलना केवल आवास की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसे संपत्ति, सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करना है। घर में बिजली, शौचालय और नल से जल की सुविधा उपलब्ध होना उसके जीवन की गुणवत्ता में बुनियादी परिवर्तन लाता है। जनधन खातों और आधार जैसी व्यवस्थाओं ने नागरिकों को वित्तीय एवं वैधानिक पहचान प्रदान की है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य संकट के समय गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने का आधार तैयार किया है। विश्व बैंक ने गरीबी में कमी के प्रमुख कारणों में उपभोग में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का विस्तार, विशेषकर महिलाओं की रोजगार में बढ़ती भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक कल्याणकारी हस्तांतरणों की भूमिका को रेखांकित किया है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक सक्रियता परिवारों की आय बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक आत्मनिर्भरता और निर्णय क्षमता को भी मजबूत करती है। ग्रामीण भारत में निर्धनता की तेज गिरावट ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आर्थिक अंतर को भी कम करने में योगदान दिया है।

एक अन्य महत्वपूर्ण संकेतक गिनी सूचकांक है, जिसके माध्यम से आय अथवा उपभोग के वितरण में असमानता का आकलन किया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत का उपभोग आधारित गिनी सूचकांक 23 तक पहुंचा है, जो अपेक्षाकृत कम असमानता का संकेत देता है। यह अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की तुलना में भारत की बेहतर स्थिति को दर्शाता है। हालांकि यहां यह समझना आवश्यक है कि उपभोग आधारित गिनी सूचकांक समाज में संपत्ति, आय और अवसरों की समग्र असमानता का पूरा चित्र प्रस्तुत नहीं करता। इसलिए गरीबी में कमी को आर्थिक समानता की पूर्ण उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है, जहां भारत की विकास यात्रा का आलोचनात्मक मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। एक ओर करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकल रहे हैं, दूसरी ओर समाज में संपत्ति और आर्थिक संसाधनों का संकेंद्रण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। उच्च आय वर्ग और सामान्य मेहनतकश नागरिक के बीच जीवन की सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अवसरों का अंतर अभी भी व्यापक है। गुणवत्तापूर्ण रोजगार की कमी, असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों की असुरक्षा, युवाओं में बेरोजगारी, कृषि पर निर्भर परिवारों की सीमित आय और महिलाओं को समान पारिश्रमिक न मिलना ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान किए बिना समतामूलक समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। गरीबी का कम होना और अमीरी-गरीबी के बीच की खाई का कम होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। पहली उपलब्धि उत्साह देती है, लेकिन दूसरी चुनौती पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है।

भारत को अब ऐसी विकास नीति की आवश्यकता है, जिसमें आर्थिक प्रगति का लाभ केवल कुछ क्षेत्रों, वर्गों अथवा उद्योगों तक सीमित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास, छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन, कृषि का आधुनिकीकरण, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कर व्यवस्था में न्यायपूर्ण संतुलन, ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में निवेश और सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की पारदर्शिता भी आवश्यक है। विकास का वास्तविक उद्देश्य अवसरों की समानता पैदा करना होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक आंकड़ों में ऊंचाई हासिल करना। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में गरीबी में कमी की यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक शक्ति के साथ सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और अवसरों की समानता भी सुनिश्चित हो। गरीबी-मुक्त भारत का सपना केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि रोजगार, उद्यमिता, शिक्षा, सामाजिक सहभागिता और न्यायपूर्ण आर्थिक व्यवस्था के समन्वय से साकार होगा। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट भारत में गरीबी से मुक्ति की ओर बढ़ते कदमों और करोड़ों जीवन में फैलती खुशहाली की ऐसी उजली तस्वीर प्रस्तुत करती है, मानो दीपावली के पर्व पर विकास के दीप जल उठे हों। यह केवल आंकड़ों की रोशनी नहीं, बल्कि उन करोड़ों परिवारों के जीवन में उम्मीद, आत्मविश्वास और सम्मान का उजाला है, जो अभावों के अंधकार से निकलकर समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। सचमुच, इस बार दीपावली के दीपों में नए भारत की प्रगति और गरीबों के जीवन में आए उजास की चमक भी दिखाई दे रही है।

निस्संदेह, गरीबी के मोर्चे पर भारत की यह सफलता नए भारत, समृद्ध भारत और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में करोड़ों लोगों को निर्धनता के दायरे से बाहर लाना एक उल्लेखनीय स्थान रखता है। लेकिन इस उपलब्धि का अगला चरण आर्थिक असमानता की खाइयों को पाटना और विकास की रोशनी को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना होना चाहिए। विकसित भारत की पहचान केवल उसकी आर्थिक समृद्धि से नहीं, बल्कि इस बात से होगी कि वहां कोई व्यक्ति अभाव, भुखमरी, अशिक्षा और असहायता में जीवन जीने को विवश न हो। 2047 का भारत तभी वास्तविक अर्थों में विकसित और समृद्ध होगा, जब उसकी प्रगति का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचेगा और आर्थिक समृद्धि के साथ सामाजिक समरसता एवं समानता भी उसकी पहचान बनेगी। यही नए भारत का स्वप्न है और यही उसकी विकास यात्रा की सबसे बड़ी कसौटी भी।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें..

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वार्तालाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।
की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

जनपद में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा लागू



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा-2026 तथा आगामी पर्व-त्योहारों दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा एवं गंगा तृतीया सहित विभिन्न धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों के दृष्टिगत जनपद में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अपर जिला मजिस्ट्रेट (वित्त एवं राजस्व) अमरोहा गरिमा सिंह द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा जारी की गई है। जारी आदेश के अनुसार जनपद में पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के बिना अनुमति एकत्रित होने पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध पारिवारिक सदस्यों, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों एवं शासकीय कार्यों से संबंधित आयोजनों पर लागू नहीं होगा। किसी भी व्यक्ति अथवा समूह द्वारा सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, गलियों अथवा भवनों की छतों पर ईंट-पत्थर या ऐसी सामग्री एकत्रित नहीं की जाएगी, जिससे किसी व्यक्ति को चोट पहुंचाई जा सके। जनपद में आयोजित परीक्षाओं के दौरान शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर की परिधि में स्थित फोटो कॉपी की दुकानें, साइबर कैफे एवं अन्य संबंधित प्रतिष्ठान परीक्षा अवधि में बंद रखे जाएंगे। परीक्षा केंद्रों के आसपास ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग, मोबाइल फोन एवं अन्य संचार उपकरणों का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा समाप्ति तक परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।

निषेधाज्ञा के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति को साम्प्रदायिक अथवा धार्मिक विद्वेष फैलाने वाले भाषण देने, भड़काऊ संदेश प्रसारित करने, किसी समुदाय अथवा व्यक्ति की भावनाओं को ठेस पहुंचाने या साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की अनुमति नहीं होगी। सोशल मीडिया (WhatsApp, Twitter, Instagram) के माध्यम से भड़काऊ अथवा धार्मिक विद्वेष फैलाने वाले संदेशों का प्रसारण एवं लोगों को एकत्रित करने पर प्रतिबंध रहेगा। बिना अनुमति ड्रोन कैमरे का प्रयोग नहीं किया जाएगा। अश्लील, आपत्तिजनक अथवा साम्प्रदायिक उन्माद उत्पन्न करने वाले बैनर, पोस्टर एवं सामग्री का प्रकाशन, वितरण तथा प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा। इसके अतिरिक्त शस्त्र अनुज्ञापी अपने शस्त्रों का सार्वजनिक प्रदर्शन नहीं करेंगे तथा किसी भी व्यक्ति द्वारा लाठी, डंडा, भाला, चाकू अथवा अन्य घातक हथियार लेकर सार्वजनिक स्थानों पर जाने पर प्रतिबंध रहेगा। बिना अनुमति लाउडस्पीकर एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग नहीं किया जाएगा तथा माननीय उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। कोई भी व्यक्ति सड़क मार्ग, रेलवे ट्रैक अथवा सार्वजनिक यातायात को बाधित नहीं करेगा। जनपद में जलापूर्ति एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं किया जाएगा। खाद्य एवं आवश्यक वस्तुओं का निर्धारित सीमा से अधिक भंडारण, कालाबाजारी अथवा अधिक मूल्य पर बिक्री किए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

अपर जिला मजिस्ट्रेट (वित्त एवं राजस्व) ने स्पष्ट किया है कि निषेधाज्ञा की किसी भी शर्त का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा-223 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत एवं थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में सुनिश्चित कराएंगे।

यह निषेधाज्ञा 01 नवंबर से शुरू होकर 15 दिसंबर तक प्रभावी रहेगी, जिसमें दोनों तिथियां सम्मिलित हैं। आदेश अपर जिला मजिस्ट्रेट (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह द्वारा 31 अक्टूबर को जारी किया गया है।

हसनपुर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, 22 लाख की स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- एसपी लखन सिंह यादव के निर्देशन में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में थाना हसनपुर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। 01 नवम्बर की रात पुलिस टीम दीपपुर बस स्टैंड के पास चेकिंग कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर एक संदिग्ध बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया गया तो वह भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पकड़े गए अभियुक्त ने अपना नाम मोहसिन पुत्र इकरार निवासी मोहल्ला कायस्थान, निकट लाल मस्जिद, हसनपुर बताया। तलाशी में उसके पास से 90 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 22 लाख रुपये बताई जा रही है। साथ ही एक मोबाइल व बाइक UP23AW1867 भी बरामद हुई। पुलिस ने थाना हसनपुर पर मु0अ0सं0 648/2026 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त को जेल भेज दिया है।

दो वर्षीय भैंस के पड़वे के कंधे से डेढ़ किलो का ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाला



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की तहसील धनौरा क्षेत्र के ग्राम नेकपुर निवासी सुशील ग्रेवाल के दो वर्षीय भैंस के पड़वा (बफेलो बुल) के कंधे पर 1.5 किलोग्राम से अधिक वजन का ट्यूमर हो गया था। इस ट्यूमर के कारण पशु को चलने-फिरने में अत्यधिक कठिनाई हो रही थी। दर्द और असुविधा के कारण पड़वा सामान्य रूप से चरने और घूमने में भी असमर्थ हो गया था, जिससे पशुपालक चिंतित थे।

पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह, मोहिउद्दीनपुर पशु चिकित्सालय ने इस मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने पशु का पूरी तरह परीक्षण किया और ट्यूमर को शल्यक्रिया द्वारा निकालने का निर्णय लिया। डॉ. कुलदीप सिंह ने सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर विशाल ट्यूमर को पूरी तरह हटा दिया। ऑपरेशन के दौरान कोई जटिलता नहीं आई और पशु की हालत स्थिर रही। ऑपरेशन के बाद पड़वा की हालत में तेजी से सुधार हो रहा है। अब वह सामान्य रूप से चल-फिर सकता है और दर्द से मुक्त हो गया है। स्थानीय पशुपालक इस सफल शल्यक्रिया से काफी खुश हैं। डॉ. कुलदीप सिंह के कुशल हाथों और समय पर किए गए उपचार से न केवल एक पशु की जान बची, बल्कि पशुपालक को आर्थिक नुकसान से भी बचाया जा सका।

पशु चिकित्सा विभाग की इस उपलब्धि की ग्रामीणों में काफी सराहना हो रही है।

अमरोहा में चलाया गया सघन चेकिंग अभियान, 371 ई-चालान कर 7.85 लाख जुमार्ना वसूला





अमरोहा (सब का सपना):- एसपी अमरोहा के निर्देशन में 2 नवंबर को जनपद में दुर्घटना रोकथाम को लेकर सघन यातायात चेकिंग अभियान चलाया गया। अपर पुलिस अधीक्षक, सभी क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक यातायात व सभी थानाध्यक्षों ने शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान चलाया। अभियान में बिना हेलमेट के 97, फिटनेस उल्लंघन पर 2, बिना इंश्योरेंस 11, नो पार्किंग 35, बिना नंबर प्लेट 16, बिना उछ 21, तीन सवारी 16, बिना सीट बेल्ट 21 व ओवरस्पीडिंग के 152 चालान किए गए। कुल 371 ई-चालान पर 7,85,000 रुपये जुमार्ना लगाया गया। साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया।

पेंशनरों का चिकित्सा बिल ऑफलाइन स्वीकार करने की मांग



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के कलेक्ट्रेट पर प्रदेश के सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारियों व पेंशनरों ने चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावों को अनिवार्य रूप से ऑनलाइन करने के निर्णय के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अनूप सिंह पोसल ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के शासनादेश 09 सितंबर के बाद 01 अक्टूबर से ऑफलाइन बिल लेना पूरी तरह बंद कर दिया गया है। पेंशनर सलाहकार समिति की 20 सितंबर को हुई बैठक में एसोसिएशन ने अपर मुख्य सचिव, वित्त विभाग के समक्ष पत्र देकर अनुरोध किया था कि पेंशनरों का ईएचआरएमएस कोड पोर्टल पर उपलब्ध नहीं है। कई बुजुर्ग कंप्यूटर से अनभिज्ञ हैं तथा 2016 से पहले सेवानिवृत्त कर्मचारियों का डेटा भी ऑनलाइन नहीं है। उन्होंने ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों विकल्प रखने की मांग की थी। समिति के अध्यक्ष ने गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया था, लेकिन कार्यवृत्त जारी होने से पहले ही ऑफलाइन व्यवस्था बंद कर दी गई। इससे कई पेंशनरों के बिल कालातीत हो रहे हैं और उनका इलाज प्रभावित हो रहा है। 12 अक्टूबर को पत्र भेजने तथा आज विशाल धरना-प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपते हुए संगठन ने दोहराया कि दोनों माध्यम उपलब्ध रखे जाएं। जीवन प्रमाणपत्र की तरह धीरे-धीरे ऑनलाइन प्रक्रिया अपनाई जाए। मांग न मानने पर विधानसभा के समक्ष विशाल प्रदर्शन की चेतावनी दी गई।

नौगांवा सादात में चरस का आरोपी गिरफ्तार, 125 ग्राम चरस व इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद



नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नौगांवा सादात थाना पुलिस ने चरस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है जिसके कब्जे से पुलिस ने 125 ग्राम चरस और एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद की है, पुलिस के मुताबिक जब्त की गई चरस की कीमत करीब 30 हजार रुपए बताई गई है।जिसके बाद गिरफ्तार किए गए आरोपी के विरुद्ध अपराध से संबंधित धाराओं वैधानिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय में पेश किया है।

बता दें कि एसपी अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक रजनी द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 2 नवंबर 2026 को ढक्का जाने वाले रास्ते के मोड़ पर चेकिंग के दौरान आरोपी को पकड़ा।पुलिस ने बीरेन्द्र सैनी पुत्र ईश्वरी सिंह, निवासी ग्राम मुबारकपुर कलां, थाना नौगांवा सादात, उम्र करीब 34 वर्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। केस मु0अ0सं0 435/2026 में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 लगाई गई है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया।पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक रजनी द्विवेदी, उपनिरीक्षक ब्रजेश कुमार, हेड कांस्टेबल अनिल कुमार, कांस्टेबल दीपक कुमार और कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार शामिल थे।

अमरोहा में पीईटी परीक्षार्थियों के लिए निःशुल्क आवास व्यवस्था



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जन जागृति समिति तथा महर्षि वाल्मीकि आश्रम कमेटी के संयुक्त प्रयास से महर्षि वाल्मीकि आश्रम, स्टेशन रोड पर बाहर से आए पीईटी परीक्षार्थियों के लिए निःशुल्क ठहरने और परीक्षा स्थल तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई। पूर्व परीक्षाओं की भांति दो दिवसीय इस व्यवस्था से सैकड़ों किलोमीटर दूर से आए परीक्षार्थियों के चेहरे खिल उठे। वे सुकून से सोए और अगले दिन परीक्षा में शामिल हुए। यहां किसी से जाति या धर्म नहीं पूछा गया। परीक्षार्थियों का स्वागत-सत्कार अपने मेहमानों की तरह किया गया। कई परीक्षार्थियों ने दोनों समितियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जाति-धर्म से ऊपर उठकर मानव सेवा का यह कारवां आगे बढ़ाना चाहिए।

सेवा कार्यों में डॉ. मुनेंद्र मोहन, चौधरी देशराज सिंह मर्दान, बरन सिंह, पूर्व सभासद शब्द कुमार वाल्मीकि, मास्टर जयप्रकाश, महेश कुमार योगाचार्य, विजय सिंह प्रधान, मास्टर कृष्ण पाल सिंह, पत्रकार देवेश कुमार राहुल, एडवोकेट नितिन कसेरवा, इंजीनियर जॉनी कुमार, कपिल देव, अंकुश कुमार, गौरव कुमार, अंकित कुमार, विमल कुमार आदि मौजूद रहे।

हसनपुर क्षेत्र में विवाहिता को जबरन गाड़ी में ले जाने का आरोप, विवाहिता की मां ने लगाया दहेज उत्पीड़न व मारपीट का आरोप



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर थाना क्षेत्र में एक विवाहित महिला को उसके पति द्वारा जबरन गाड़ी में डालकर ले जाने का मामला सामने आया है।इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।इस मामले में विवाहिता की मां के द्वारा दामाद पर दहेज उत्पीड़न व उसकी बेटी के साथ मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। बता दें कि पूरा मामला हसनपुर नगर कोतवाली का है जहां की राजपूत कॉलोनी निवासी पूनम पत्नी प्रदीप ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बेटी हिमांशी की शादी अमन पुत्र सुरेश से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से अमन दहेज की मांग को लेकर हिमांशी से मारपीट करता था।पूनम के मुताबिक, पति की प्रताड़ना से परेशान हिमांशी पहले भी दो बार कोतवाली में शिकायत दे चुकी थी। आरोप है कि अमन उसे लगातार जान से मारने की धमकी दे रहा था। पूनम ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 10 बजे अमन दो युवकों के साथ उनके घर में जबरन घुसा और हिमांशी को गाड़ी में डालकर ले गया। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की।इसके बाद पूनम ने कोतवाली पहुंचकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र सरोहा ने बताया कि शिकायत मिली है। मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक अधिकारी नहीं, एक मार्गदर्शक का विदाई संदेश



अमरोहा (सब का सपना):- कुछ लोग अपने पद से नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व, व्यवहार और विचारों से लोगों के दिलों में जगह बनाते हैं। ऐसे ही व्यक्तित्व के धनी जनपद अमरोहा के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र जी की सेवानिवृत्ति एक प्रशासनिक कार्यकाल का समापन भर नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए भी भावुक क्षण है, जिन्होंने उनसे बहुत कुछ सीखा और जिनके जीवन में उनका मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा। एक पत्रकार के रूप में उनसे मेरा संबंध केवल औपचारिक परिचय तक सीमित नहीं रहा। उनके स्नेह, सहज व्यवहार और समय-समय पर मिले मार्गदर्शन ने मुझे हमेशा प्रोत्साहित किया। उनके व्यक्तित्व की सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने अपने पद की गरिमा के साथ मानवीय संवेदनाओं और आत्मीयता को भी महत्व दिया। जीवन में कुछ मुलाकातें ऐसी होती हैं, जिनकी यादें समय के साथ और भी अनमोल हो जाती हैं। अश्वनी कुमार मिश्र जी के साथ जुड़े अनुभव मेरे लिए ऐसी ही अनमोल स्मृतियां हैं। आज उनके सेवानिवृत्त होने पर मन में सम्मान के साथ एक भावुकता भी है।

हालांकि, सरकारी सेवा का एक अध्याय समाप्त हुआ है, लेकिन उनके अनुभव, कार्यशैली और मार्गदर्शन से मिली सीख हमेशा प्रेरित करती रहेगी। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनका आगामी जीवन उत्तम स्वास्थ्य, सुख, शांति और खुशियों से परिपूर्ण रहे। पद से विदाई हो सकती है, लेकिन दिलों में बने रिश्ते कभी सेवानिवृत्त नहीं होते।

कार्यालय नगर पंचायत जोया, जनपद अमरोहा

पत्रांक :- 1305 / न०पं०जोया / 2026 **दिनांक :- 31.10.2026**

अधिसूचना

विषय: ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2022 एवं निर्माण एवं विध्वंस (C&D) अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2025 के प्राविधानों के अनुपालन के संबंध में।

मा० उच्चतम न्यायालय एवं भारत सरकार द्वारा अधिसूचित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (Solid Waste Management) नियम 2026, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (Plastic Waste Management) नियम 2022 (समय समय पर किये गये संशोधनों सहित) तथा निमार्ण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रमान (Construction & Demolition Waste Management) नियम 2025 के प्राविधानों के अनुपालन में संपूर्ण नगर क्षेत्र हेतु निमनलिखित अधिसूचित किया जाता है-

1. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) नियम 2026 के अनुरूप नगर निकाय की उपविधियों (Bye-Laws) संपूर्ण नगर नगर पंचायत क्षेत्र में प्रभावी होंगी तथा सभी नागरिक, प्रतिष्ठान एवं संस्थान उनका अनुपालन सुनिश्चित करेंगें।
2. प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (PWM) नियम 2022 एवं उसमें समय-समय पर किये गये संशोधनों के सभी प्रावधान संपूर्ण नगर पंचायत जोया क्षेत्र में लागू होंगें, सभी निमार्ता, विकता थोक एवं खुदरा व्यापारियों, संस्थानो एवं नागरिकों द्वारा नियमों का अनुपालन किया जाना अनिवार्य होगा।
3. निर्माण एवं विध्वंस (C&D) अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2025 के अनुसार सम्पूर्ण नगर क्षेत्र में निर्माण एवं मलवे का पृथक संग्रहण, परिवहन, पुर्नचकण एवं निस्तारण वैज्ञानिक पद्वित से किया जायेगा, बिना अनुमति सार्वजनिक स्थानों पर मलबा डालना प्रतिबंधित होगा, उक्त नियम सम्पूर्ण नगर क्षेत्र में लागू, होगें।

उपरोक्त नियमो के उल्लघन की स्थिति मे संबंधित नियमो एवं नगर निकाय की उपविधियों के अनुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी, यह अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

(विपिन कुमार सिंह सेंगर)
अधिशासी अधिकारी

(जुबैर अहमद)
अध्यक्ष

दीपावली को लेकर आतिशबाजी गोदामों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा





सम्भल (सब का सपना):- दीपावली और आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देश पर उप जिलाधिकारी चन्दौसी आशुतोष तिवारी ने तहसील क्षेत्र के ग्राम मई रामबाग रोड और कैथल रोड स्थित आतिशबाजी गोदामों का निरीक्षण किया। इस दौरान फायर विभाग और पुलिस विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी ने आतिशबाजी गोदामों में सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही आतिशबाजी के भंडारण से जुड़े निर्धारित सुरक्षा मानकों और संबंधित नियमों के अनुपालन की स्थिति का परीक्षण किया गया। त्योहारों के दौरान आतिशबाजी की मांग बढ़ने के कारण गोदामों में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना बेहद जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन की ओर से आतिशबाजी के भंडारण और बिक्री से जुड़े प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा रहा है। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि दीपावली और अन्य त्योहारों के दृष्टिगत आतिशबाजी गोदामों तथा बिक्री से जुड़े प्रतिष्ठानों की नियमित रूप से जांच की जाए। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा मानकों और निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। प्रशासन का उद्देश्य त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना और अप्रिय घटना को रोकना है।

इसके लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों की निगरानी में आतिशबाजी के भंडारण और बिक्री से जुड़े प्रतिष्ठानों की जांच कर आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है।

कृषि यंत्रों के लिए ई-लॉटरी से 11 किसानों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया के तहत संपन्न हुई चयन प्रक्रिया





बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद में कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने और किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में ई-लॉटरी के माध्यम से लाभार्थी किसानों का चयन किया गया। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल की अध्यक्षता में गठित जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति की उपस्थिति में आयोजित इस प्रक्रिया के तहत तीन अलग-अलग योजनाओं में कुल 11 किसानों का चयन किया गया। कृषि विभाग की ओर से आयोजित ई-लॉटरी में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रों के लिए 8 किसानों का चयन किया गया। वहीं प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजिड्यू योजना के तहत फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित कृषि यंत्रों के लिए 2 किसानों को चुना गया। इसके अलावा त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 1 किसान का चयन किया गया। इस प्रकार तीनों योजनाओं में कुल 11 लाभार्थी किसानों को ई-लॉटरी के माध्यम से चयनित किया गया। ई-लॉटरी प्रक्रिया का उद्देश्य पात्र किसानों को पारदर्शी तरीके से कृषि यंत्रों पर मिलने वाले अनुदान का लाभ उपलब्ध कराना है। आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग से खेती के कार्यों को कम समय में पूरा करने के साथ ही किसानों की मेहनत और लागत कम करने में भी मदद मिलती है। कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा मिलने से किसानों को खेती के कार्यों में सुविधा मिलेगी और कृषि कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। चयनित किसानों को कृषि यंत्र खरीदने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि वे कृषि विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत निमार्ताओं और विक्रेताओं से निर्धारित मानकों के अनुसार ही कृषि यंत्रों की खरीद करें। यंत्र खरीदने के बाद निर्धारित समय सीमा के भीतर संबंधित बिल विभागीय पोर्टल पर अपलोड करना भी अनिवार्य होगा। किसानों को कृषि यंत्रीकरण से संबंधित शासनादेश में अनुदान प्राप्त करने के लिए निर्धारित नियमों और शर्तों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में ई-लॉटरी की प्रक्रिया मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता और डिप्टी कलेक्टर बहजोई अभिमन्यु कुमार की उपस्थिति में संपन्न हुई। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से आयोजित की गई। इस दौरान ई-लॉटरी के लिए बुकिंग कराने वाले किसान भी मौजूद रहे। कृषि विभाग की इस पहल से चयनित किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों का लाभ मिलेगा और जनपद में कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

नसीम अहमद, हत्याकांड में 12 दिन बाद भी इंसाफ अधूरा, फरार हत्यारों पर पुलिस की पकड़ ढीली

न्याय की मांग को लेकर डीआईजी से जल्द मिलेगा ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन





हापुड़ (सब का सपना):- पत्रकार नसीम अहमद, हत्याकांड को करीब 12 दिन बीत जाने के बावजूद मामले में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े होने लगे हैं। एक पत्रकार की पीट-पीटकर हत्या जैसे गंभीर मामले में आरोपियों का अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर रहना पीड़ित परिवार के साथ-साथ पत्रकारों के बीच भी गहरी नाराजगी का कारण बना हुआ है। हालांकि पुलिस ने हत्याकांड में शामिल तीन आरोपी अशोक कुमार गुप्ता, कपिल अग्रवाल, और नरेश कुमार, को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लेकिन शेष फरार आरोपियों तक पुलिस के हाथ अब तक नहीं पहुंच सके हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर फरार आरोपियों की गिरफ्तारी में देरी क्यों हो रही है और उन्हें पकड़ने के लिए पुलिस की ओर से क्या प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन भारत की हापुड़ इकाई ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अब इस प्रकरण में उच्चाधिकारियों से मुलाकात करने का निर्णय लिया है। संगठन की ओर से जल्द ही डीआईजी से मुलाकात कर पत्रकार नसीम अहमद, हत्याकांड में फरार आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की जाएगी।

दरअसल, 18 अक्टूबर को हापुड़ देहात क्षेत्र के जरौठी रोड स्थित गिरधारी नगर पीर के पास दशहरे के विज्ञापन के सिलसिले में पहुंचे पत्रकार नसीम अहमद, के साथ मारपीट की गई थी। गंभीर रूप से घायल नसीम, की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। घटना के बाद पत्रकार संगठनों में आक्रोश फैल गया था। 23 अक्टूबर को ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन भारत की हापुड़ इकाई ने संगठन के जिलाध्यक्ष चंदन सिंह, के नेतृत्व में जिलाधिकारी और एसपी को ज्ञापन सौंपकर सभी आरोपियों की गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता सहित कई मांगें रखी थीं। पत्रकार संगठन का कहना है कि ज्ञापन सौंपे जाने के बाद भी अब तक स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सकी है। हत्याकांड को करीब 12 दिन बीत चुके हैं और कुछ आरोपी अभी भी फरार बताए जा रहे हैं। ऐसे में पीड़ित परिवार और पत्रकारों में यह सवाल लगातार उठ रहा है कि आखिर फरार आरोपियों की गिरफ्तारी कब होगी। तीन आरोपियों को जेल भेजे जाने के बावजूद अन्य आरोपियों का पुलिस की पकड़ से दूर रहना जांच की गति और पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े कर रहा है। वहीं, सूत्रों के हवाले से यह भी चर्चा है कि कुछ लोग कथित रूप से सांठ-गांठ कर पत्रकार नसीम अहमद, हत्याकांड के फरार आरोपियों को बचाने तथा मुकदमे को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में पत्रकार संगठन का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी आरोपी को कानून के शिकंजे से बचने का मौका न मिले।

सम्भल में डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए नवंबर में आठ स्थानों पर लगेंगे विशेष शिविर



सम्भल (सब का सपना):- जनपद में पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र के प्रति जागरूक करने के लिए नवंबर माह में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने शासन के निदेर्शों के क्रम में शिविर आयोजित करने के आदेश जारी किए हैं। इन शिविरों के माध्यम से पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र बनवाने की प्रक्रिया और उसके महत्व की जानकारी दी जाएगी। मुख्य सचिव कार्यालय उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ की ओर से 14 अक्टूबर को जारी निदेर्शों के अनुपालन में जनपद के विभिन्न विकास खंडों में शिविर लगाए जाएंगे। इसके तहत नवंबर माह में चार अलग-अलग तिथियों पर आठ स्थानों पर पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को जागरूक करने की व्यवस्था की गई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 5 नवंबर को विकास खंड सम्भल में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक शिविर लगाया जाएगा। इसी दिन विकास खंड असमोली में दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक शिविर आयोजित होगा। इसके बाद 13 नवंबर को विकास खंड रजपुरा में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और विकास खंड पवांसा में दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक शिविर लगाया जाएगा। वहीं 18 नवंबर को विकास खंड बहजोई में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा विकास खंड बनियाखेड़ा चन्दौसी में दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक शिविर आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में 25 नवंबर को विकास खंड गुन्नौर में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और विकास खंड जुनावई में दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक विशेष शिविर लगाया जाएगा। इस प्रकार जिले के सभी आठ निर्धारित स्थानों पर पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। शिविरों में पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र के महत्व और इसे बनवाने की प्रक्रिया के बारे में बताया जाएगा। इसका उद्देश्य पेंशनरों को डिजिटल सुविधा के प्रति जागरूक करना और उन्हें समय से अपना जीवन प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए प्रेरित करना है। जिला प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिविरों के आयोजन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश तीन गिरफ्तार 12 मोटरसाइकिलें और ग्राइंडर मशीन बरामद



बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- रजपुरा थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की 12 मोटरसाइकिलें और मोटरसाइकिल काटने की ग्राइंडर मशीन समेत अन्य पुर्जे बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रमोद पुत्र मेघपाल 19 अमित पुत्र जगदीश 19 और नीरज मिर्शी पुत्र कैलाश 22 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने 2 नवंबर को अनूपशहर रोड पर गांव जाने वाले रास्ते पर बिजलीघर के पास कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया।पूछताछ में सामने आया कि आरोपी गाजियाबाद नोएडा और दिल्ली में ब्लिंकिट रैपिडो तथा अमेजन में डिलीवरी का काम करते थे। इसी दौरान वे मोटरसाइकिल चोरी करने लगे। आरोपी अलग-अलग गांवों और आसपास के क्षेत्रों से मोटरसाइकिलें चोरी कर कम कीमत पर बेचते थे। पुलिस के मुताबिक नीरज मिर्शी चोरी की मोटरसाइकिलों को काटकर उनके पुर्जे अलग-अलग बेचता था और मिलने वाली रकम आपस में बांट ली जाती थी। पुलिस ने नौ स्प्लेंडर एक होंडा साइन एक टीवीएस राइडर और एक हीरो डीलक्स समेत कुल 2 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इनके अलावा दो साइलेंसर दो हैंडल दो रिम दो बैटरी दो सीट पांच शॉकर रॉड तीन इंजन एक ग्राइंडर मशीन और दो नंबर प्लेट भी बरामद की गई हैं। इस मामले में थाना रजपुरा पर मुकदमा के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में से अमित के खिलाफ पहले भी धनारी थाने में मुकदमा दर्ज है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

अयोध्या दीपोत्सव 2026: वैश्विक मंच पर रामकथा का सांस्कृतिक महाकुंभ



चक्रवर्ती। रामनगरी अयोध्या में पवित्र सरयू के तट पर जब लाखों दीये एक साथ झिलमिलाते हैं, तो यह दृश्य केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक नहीं होता, बल्कि यह संपूर्ण मानवता के अंतर्मन को रोशन करने वाला अलौकिक अनुभव बन जाता है। दीपोत्सव-2026 भी एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय है, जहां श्री राम की पावन नगरी अयोध्या विश्व पटल पर 'सांस्कृतिक संगम' के सबसे बड़े और देदीप्यमान केंद्र के रूप में उभरी है। यह आयोजन आस्था की सीमाओं से विस्तार लेकर, देश-दुनिया के कलाकारों के लिए एक ऐसा भव्य वैश्विक मंच बन गया है, जहां कला सीधे परमात्मा से संवाद करती है। विभिन्न देशों, संस्कृतियों और भाषाओं से जुड़े कलाकार जब राम की पैड़ी पर अपनी कला, संगीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से रामकथा के आदर्शों को जीवंत करते हैं, तो पूरी दुनिया एक ही सुर में बंधी नजर आती है। यह इस बात का उद्घोष है कि श्री राम केवल एक भूभाग के नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व के हैं। अयोध्या और राम के प्रति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आस्था और सोच का जीवंत रूप है यह दीपोत्सव, जो इस बार दशक मनाने जा रहा है। दसवां पड़ाव किसी भी यात्रा में केवल एक संख्या नहीं होता। वह ठहरकर पीछे देखने और आगे की राह तय करने का क्षण होता है। एक दशक पहले जो संकल्प अयोध्या के घाटों को दीपों से सजाने के रूप में शुरू हुआ था, आज वह ऐसे वैश्विक सांस्कृतिक पर्व में ढल चुका है, जिसकी प्रतीक्षा देश ही नहीं, दुनिया के अनेक कोनों में होती है। यहां दीपक की लौ के साथ भाषाओं की मिठास, वेशभूषाओं के रंग, लोकधुनों की गूंज और अनेक देशों की श्रद्धा एकाकार होगी तो उत्सव अयोध्या की सीमाओं से निकलकर विश्व की सांस्कृतिक चेतना के पर्व के रूप में बढ़ता दिखाई देगा। इस वर्ष का सबसे उल्लेखनीय पक्ष है पांच देशों के कलाकारों द्वारा अपनी-अपनी परंपराओं और शैलियों में रामलीला का मंचन। दक्षिण अफ्रीका की दो टीमों के साथ श्रीलंका, नेपाल, लाओस और थाईलैंड के कलाकार अयोध्या की पावन भूमि पर श्रीराम की कथा अपने ढंग से प्रस्तुत करेंगे। फिलीपींस, थाईलैंड और रूस के कलाकारों की भागीदारी की तैयारियां भी जारी हैं। यह तथ्य स्वयं कहता है कि भगवान राम किसी एक भूगोल, भाषा या समुदाय की धरोहर नहीं हैं। वह उस मानवीय आदर्श के प्रतीक हैं, जिसे हर संस्कृति ने अपने स्वर में पहचाना, अपनाया और गाया है। रामकथा की यात्रा दुनिया के अनेक देशों में गूंजती है। दक्षिण-पूर्व एशिया के मंचों पर रामायण सदियों से नृत्य, नाट्य और कठपुतलियों में सांस लेती रही है। थाईलैंड, लाओस, नेपाल व श्रीलंका की भूमि रामायण की स्मृतियों से सींची हुई है। यहां दूसरे देशों से आ रही रामलीलाओं के पात्रों के नाम, परिधान और प्रस्तुति की शैली भले भिन्न हों, कथा का मूल स्वर एक ही है और वह है मर्यादा, त्याग, सत्य और कर्तव्य की विजय। ये अलग-अलग धाराएं अयोध्या में आकर मिलेंगी। जैसे अनेक नदियां एक ही सागर की ओर प्रवाहित होती हैं, वैसे ही ये सभी प्रस्तुतियां उसी एक रामत्व की ओर बहती दिखेंगी। भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी समावेशी प्रकृति है। हमारी परंपरा ने कभी यह आग्रह नहीं रखा कि सत्य केवल एक रूप में कहा जाए। इसीलिए एक ही रामकथा सैकड़ों रूपों में कही और सुनी गई है। दीपोत्सव का यह अंतरराष्ट्रीय स्वरूप उसी उदार दृष्टि का आधुनिक विस्तार है। जब कोई अफ्रीकी कलाकार अपनी लय में रावण-वध का मंचन करेगा, या कोई लाओटियन नर्तक अपनी भंगिमाओं में सीता की पीड़ा को उकेरेगा, तब दर्शक अनुभव करेंगे कि करुणा और धर्म की भाषा को किसी अनुवाद की आवश्यकता नहीं होती। वह सीधे हृदय से हृदय तक पहुंचती है। देश के भीतर की विविधता इस आयोजन को उतना ही समृद्ध करेगी। असम, बंगाल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और केरल के कलाकार रामचरित्र और रामकथा पर आधारित प्रस्तुतियां देंगे। भारत का हर अंचल, हर राज्य राम को अपने भाव में देखता है। पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक फैली यह विविधता उस एकता की साक्षी है, जिसे राम के नाम ने सदियों से एक सूत्र में पिरोए रखा है। इस अर्थ में अयोध्या का मंच एक साथ लघु भारत भी होगा और लघु विश्व भी। संस्कृति विभाग की योजना के अनुसार छह लघु, चार मध्यम और दो दीर्घ मंच तैयार किए जाएंगे, जहां लगभग 2500 भारतीय और विदेशी कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। यह संख्या इस विश्वास का भी प्रमाण है कि कला को मंच देना समाज की सबसे सार्थक सेवाओं में से एक है। बारह मंचों पर एक साथ प्रवाहित संगीत, नृत्य और रंगमंच की धारा कुछ दिनों के लिए अयोध्या को कला की जीवंत राजधानी बनाएगी। राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या की पहचान में एक नया अध्याय जुड़ा है। अब यह नगरी केवल तीर्थ नहीं, सांस्कृतिक पर्यटन का भी प्रमुख केंद्र बनकर उभरी है। तीर्थयात्री यहां दर्शन के लिए आता है, जबकि सांस्कृतिक यात्री अनुभव के लिए। वह कथा सुनना चाहता है, परंपराओं को समझना चाहता है और अपने भीतर कुछ नया महसूस करना चाहता है। दीपोत्सव का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप यहां दो भावों को जोड़ता है- श्रद्धा को अनुभव से और अनुभव को समझ से। इस सांस्कृतिक संगम के आध्यात्मिक संदेश को भी समझना जरूरी है। दीपक की विशेषता यह है कि वह स्वयं जलकर दूसरों को उजाला देता है। उसकी लौ से हजार दीप जल उठें तब भी उसका प्रकाश घटता नहीं। संस्कृतियों का संवाद भी ऐसा ही है। जब हम दूसरों की परंपराओं को सम्मान के साथ अपने मंच पर स्थान देते हैं, तो हमारी अपनी पहचान और उजली हो उठती है। रामकथा का सबसे बड़ा संदेश भी यही है कि मर्यादा केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, सामूहिक जीवन की आधारशिला है।

जनगणना 2027 के प्रशिक्षण के तीसरे स्लॉट का शुभारंभ 39 बैचों में 1746 प्रगणक और पर्यवेक्षक होंगे प्रशिक्षित





सम्भल (सब का सपना):- जनपद में जनगणना 2027 के द्वितीय चरण को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे स्लॉट का शुभारंभ हो गया। इस स्लॉट में कुल 1746 प्रगणक और पर्यवेक्षक 39 बैचों के माध्यम से जनपद के नौ प्रशिक्षण स्थलों पर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान कार्मिकों को जनगणना से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं और तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान संबंधित उप जिलाधिकारियों और चार्ज अधिकारियों ने विभिन्न प्रशिक्षण स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं को देखा और कार्मिकों को पूरी गंभीरता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रगणक और पर्यवेक्षक प्रशिक्षण के दौरान निर्धारित समय तक उपस्थित रहें और जनगणना से संबंधित प्रत्येक प्रक्रिया को अच्छी तरह समझें। साथ ही अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करें ताकि जनगणना का कार्य सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके।

जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में स्वगणना की प्रक्रिया 16 नवंबर से 30 नवंबर तक संचालित की जाएगी। इसके बाद एक दिसंबर से चार जनवरी 2027 तक घर-घर जाकर जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। इस दौरान निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परिवारों और नागरिकों से संबंधित आवश्यक जानकारियां एकत्र की जाएंगी। प्रशासन का उद्देश्य प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को जनगणना की प्रक्रिया से भली-भांति परिचित कराना है। इससे जनगणना कार्य को समयबद्ध और व्यवस्थित तरीके से पूरा करने के साथ ही आंकड़ों में त्रुटियों की संभावना को कम किया जा सकेगा। जनगणना के इस महत्वपूर्ण कार्य को सफल बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

जनगणना 2027 के द्वितीय चरण को लेकर पर्यवेक्षकों व प्रगणकों को दिया प्रशिक्षण





स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- भारत की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के तहत जनसंख्या की गणना को लेकर नगर पालिका परिषद स्योहारा में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सोमवार, 2 नवंबर को आयोजित द्वितीय बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला जनगणना प्रभारी जेपी यादव ने प्रतिभाग करते हुए उपस्थित प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना कार्य को सही एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए आवश्यक जानकारी दी गई। जिला जनगणना प्रभारी जेपी यादव ने प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों से अधिक से अधिक संख्या में जनगणना कार्य कराने का अनुरोध किया। प्रेस नोट के अनुसार जनसंख्या गणना की स्वगणना प्रक्रिया 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक निर्धारित की गई है, जबकि जनसंख्या की गणना का कार्य 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक कराया जाएगा। इस दौरान नगर पालिका परिषद स्योहारा के नगरीय क्षेत्र के साथ बाह्य विकास क्षेत्र (नई आबादी बिजली कॉलोनी) में भी जनगणना का कार्य किया जाएगा।कार्यक्रम के अंत में नगर पालिका परिषद स्योहारा की ओर से जिला जनगणना प्रभारी जेपी यादव को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

यातायात नियमों के प्रति जागरूकता के लिए निकाली रैली, दिलाई गई शपथ



बिजनौर (सब का सपना):- सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को पुलिस लाइन बिजनौर में यातायात माह नवंबर 2026 का शुभारंभ किया गया। अपर जिलाधिकारी प्रशासन और अपर पुलिस अधीक्षक नगर ने क्षेत्राधिकारी नजीबाबाद सहित अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में यातायात माह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सावधानी और जागरूकता बेहद जरूरी है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें। इसके साथ ही निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं और नशे की हालत में वाहन चलाने से बचें।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ भी दिलाई गई। इसके बाद एनसीसी कैडेट्स और यातायात पुलिस की जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली के माध्यम से आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करके सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें, सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखने में अपना योगदान दें।

राजा का ताजपुर में जलभराव से हिंदू बस्ती परेशान, विकास कार्यों में भेदभाव का आरोप

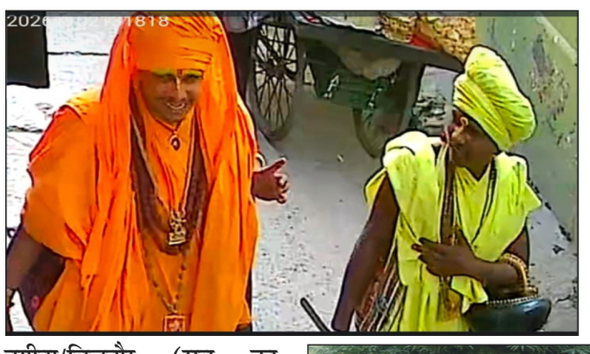






राजा का ताजपुर/बिजनौर (सब का सपना):- ग्राम राजा का ताजपुर की नई बस्ती (हिंदू बस्ती) में जलभराव और सफाई को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि हनुमान मंदिर के सामने करीब डेढ़ साल से गंदा पानी जमा है, जिससे आवागमन और पूजा-अर्चना में परेशानी हो रही है। ग्रामीणों का दावा है कि गांव की अन्य बस्तियों में विकास कार्य अधिक हुए हैं, जबकि हिंदू बस्ती में जलनिकासी व सफाई की व्यवस्था कमजोर है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में ग्राम प्रधान के पति से शिकायत की गई थी। ग्रामीणों के अनुसार, शिकायत के दौरान कथित तौर पर भेदभाव भरा बयान दिया गया। हालांकि इस कथित बयान की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और दूसरे पक्ष का पक्ष आना शेष है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत को बिना भेदभाव के पूरे गांव में समान विकास कराना चाहिए और इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से भी की गई है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर मंदिर के सामने जमा पानी की निकासी कराई जाए और गांव में हुए विकास कार्यों की निष्पक्ष जांच कराई जाए ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

साधु के वेश में आए ठगों ने व्यापारी से उड़ाए 1.65 लाख, दो गिरफ्तार







नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- मोहल्ला मानकचंद में सोमवार को साधु के वेश में आए ठगों ने कपड़ा व्यापारी को सम्मोहित कर 1.65 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित राजेश टंडन की मानें तो दो साधु वेशधारी 11 बजे दुकान पर आए और 10 रुपये मांगे। 10 रुपये देते ही व्यापारी सम्मोहित हो गया और गल्ले से 1.50 लाख व जेब से 15 हजार रुपये दे दिए। होश आने पर ठगी का पता चला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तीसरा साथी तिराहे पर मोबाइल पर बात कर रहा था। फुटेज से पता चला कि आरोपी वाला तिराहे से हरिद्वार बस में बैठे हैं।
एसएसआई सुकरम पाल तोमर ने टीमें रवाना की और दोनों आरोपियों को नजीबाबाद रेलवे स्टेशन चौकी के पास से दबोच लिया। एक ने भगवा, दूसरे ने हरे रंग का चोला पहन रखा था। पीड़ित ने तहरीर दे दी है। पुलिस तीसरे साथी की भूमिका की भी जांच कर रही है।

नगीना में तेज रफ्तार मैक्स पिकअप ने खोके में मारी टक्कर, संचालक घायल





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर मार्ग पर देर रात तेज रफ्तार मैक्स पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित खोके में जा घुसी। हादसे में खोका संचालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर मैक्स में सवार दोनों युवकों और घायल खोका संचालक को सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से खोका संचालक को जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया गया। रविवार की देर रात नगीना की दिशा से धामपुर की ओर जा रही एक मैक्स पिकअप गाड़ी में चालक के साथ एक अन्य युवक भी सवार था। जैसे ही मैक्स पिकअप धामपुर मार्ग स्थित रामलीला ग्राउंड मोड के पास पहुंची, तभी वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खोके से जा टकराई। हादसे के समय खोका संचालक कुलदीप सिंह पुत्र शेर सिंह निवासी मिलक जहांगीराबाद खोका बंद कर रहे थे। मैक्स की टक्कर लगने से कुलदीप सिंह गम्भीर घायल हो गए। सूचना मिलते ही घटना पर पहुंची पुलिस ने मैक्स पिकअप को कब्जे में ले लिया और वाहन में सवार दोनों युवकों के साथ घायल खोका संचालक को सामुदायिक सीएचसी नगीना में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद कुलदीप सिंह को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि मैक्स पिकअप में सवार फिरोज पुत्र महबूब और आबिद पुत्र नजर हसन निवासी मंझेड़ा शकरू शराब के नशे में थे। जिसके चलते उन्होंने गाड़ी को धामपुर दिशा में मोड़ते हुए खोके में टक्कर मार दी।पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। हल्का दरोगा महेंद्र नगर ने बताया कि पीड़ित को ओर से शाम 5 बजे तक कोई तहरीर नहीं आई है यदि तहरीर आती है तो मुकदमा दर्ज कर कारवाही शुरू की जाएगी।

बिजनौर में संयुक्त टीम ने रुकवाया नाबालिग का बाल विवाह



बिजनौर (सब का सपना):- चाइल्ड हेल्पलाइन और विभिन्न विभागों की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिले में एक नाबालिग बालिका का बाल विवाह रुकवा दिया। बालिका के नाबालिग होने की पुष्टि होने के बाद टीम ने परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए कानून का उल्लंघन करने पर होने वाली कानूनी कार्रवाई के बारे में बताया। इसके बाद परिजनों ने बालिका के बालिग होने तक उसका विवाह न करने का लिखित आश्वासन दिया। सोमवार को चाइल्ड हेल्पलाइन को गोपनीय माध्यम से सूचना मिली थी कि जिले में एक नाबालिग बालिका का विवाह कराने की तैयारी की जा रही है। सूचना मिलते ही जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशन में चाइल्ड हेल्पलाइन, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू), एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (एवीए) और बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने मौके पर पहुंचकर विवाह रुकवाया तथा बालिका और उसके परिजनों के आयु संबंधी दस्तावेजों की जांच की। जांच में बालिका के नाबालिग होने की पुष्टि हुई। टीम के सदस्यों ने परिजनों और मौके पर मौजूद गणमान्य लोगों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत निर्धारित नियमों, कानूनी कार्रवाई और सजा के प्रावधानों से अवगत कराया। काउंसिलिंग के दौरान परिजनों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए बालिका के बालिग होने तक उसका विवाह नहीं करने का लिखित आश्वासन दिया। संयुक्त टीम ने आमजन से अपील की कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई होने के साथ-साथ कानूनन अपराध भी है। यदि कहीं बाल विवाह कराए जाने की जानकारी मिले तो तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 या स्थानीय पुलिस को सूचना दें, ताकि बच्चों के अधिकारों और उनके भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कार्रवाई के दौरान जिला समन्वयक चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 हिमांशु पाराशर, एएचटीयू प्रभारी लखपत सिंह, एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के पुष्पेंद्र गोस्वामी, सविता शर्मा तथा बाल कल्याण समिति बिजनौर की शालिनी सिंह मौजूद रहीं।

आईडीबीआई बैंक निजीकरण के विरोध में 36 घंटे की भूख हड़ताल शुरू, केजी मार्ग पर गरजे बैंककर्मी





नई दिल्ली (सब का सपना):- आईडीबीआई बैंक के प्रस्तावित निजीकरण के विरोध में बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रविवार को दिल्ली के केजी मार्ग, जनपथ पर जोरदार प्रदर्शन कर 36 घंटे की भूख हड़ताल शुरू कर दी। यूनाइटेड फोरम ऑफ आईडीबीआई ऑफिसर्स एंड एम्प्लाइज के आह्वान पर 2 व 3 नवंबर को देशव्यापी दो दिवसीय भूख हड़ताल की जा रही है। प्रदर्शन में दिल्ली व आसपास की सभी शाखाओं के सैकड़ों अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार व एलआईसी से मांग की कि बैंक की प्रस्तावित बिक्री तत्काल रोकी जाए और इसके सार्वजनिक क्षेत्र के चरित्र को बनाए रखा जाए।कर्मचारियों ने कहा कि आईडीबीआई केवल एक बैंक नहीं, बल्कि देश के औद्योगिक व आर्थिक विकास की ऐतिहासिक धरोहर है। छह दशकों में इसने देश के विकास में अहम भूमिका निभाई है। सरकार, एलआईसी व कर्मचारियों के संयुक्त प्रयास से बैंक ने पीसीए जैसे संकट से उबरकर मुनाफा कमाया है, ऐसे में इसे निजी हाथों में सौंपना उचित नहीं। उन्होंने कहा कि 2003 में तत्कालीन वित्त मंत्री जसवंत सिंह ने संसद में 51% सरकारी हिस्सेदारी बनाए रखने का आश्वासन दिया था। संसद की वित्त स्थायी समिति की 46वीं रिपोर्ट में भी यही सिफारिश की गई थी।
आंदोलन को एआईबीओए, एआईबीओसी अध्यक्ष गुरुशरण सिंह, यूएफबीयू अध्यक्ष रोहित वर्मा, ओम प्रकाश शर्मा सहित कई यूनियनों का समर्थन मिला। एआईआईडीबीआईओए के कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार सिंह ने संबोधित कर कर्मचारियों में जोश भरा।

मोटरसाइकिल सवार युवक कार की टक्कर से गंभीर रूप से घायल



नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर में देर रात तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल सवार डॉ. अशोक शर्मा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में डॉ. अशोक शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डॉ. अशोक शर्मा का मोटरसाइकिल से कोतवाली की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बालाजी मेडिकल स्टोर के सामने से आ रही दो कारों में से एक कार के चालक ने कथित तौर पर वाहन गलत दिशा में मोड़ दिया और उनकी मोटर साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि डॉ. अशोक शर्मा सड़क पर गिरकर कई बार पलट गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि दुर्घटना के बाद कार चालक घायल की मदद करने के बजाय कार सहित मौके से फरार हो गया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने घायल डॉ. अशोक शर्मा को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया।घटना के संबंध में डॉ. अशोक शर्मा के पुत्र अमित कुमार ने थाना नहटौर में तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर लेकर मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

सेंट मैरी स्कूल हल्दौर में वाद-विवाद प्रतियोगिता संपन्न, विद्यार्थियों ने दिखाया वाक-कौशल



हल्दौर/बिजनौर (सब का सपना):- सेंट मैरी स्कूल हल्दौर में सोमवार को भव्य वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। प्रतियोगिता में कक्षा 9 से 12 के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने पक्ष-विपक्ष में तर्क रखते हुए वैचारिक स्पष्टता, आत्मविश्वास और प्रभावी संप्रेषण का प्रदर्शन किया। उनकी वाक्पटुता ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। निर्णायक मंडल ने उच्चारण, विषय की समझ और बॉडी लैंग्वेज के आधार पर मूल्यांकन किया। कड़े मुकाबले के बाद विजेताओं की घोषणा की गई। प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया, जबकि सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए। प्रधानाचार्या ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी हैं।

हल्दौर नगर पालिका में जनगणना 2027 के द्वितीय चरण का अंतिम प्रशिक्षण शुरू

हल्दौर/बिजनौर (सब का सपना):- सोमवार को नगर पालिका सभागार में जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के दूसरे और अंतिम बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ चार्ज अधिकारी सीमा वर्मा (EO) ने दीप प्रज्ज्वलित कर व सामूहिक प्रार्थना के साथ किया। यह प्रशिक्षण 4 नवंबर तक चलेगा। अधिकारियों ने सभी पर्यवेक्षकों व प्रगणकों से प्रशिक्षण ध्यानपूर्वक ग्रहण करने की अपेक्षा की।

दहेज की मांग को लेकर विवाहिता का उत्पीड़न, नवजात की मौत पर सवाल, पांच पर केस

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- मोहल्ला बेगमसराय निवासी उरुसा परवीन पुत्री मो. जाकिर ने ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। पीड़िता के अनुसार 17 नवंबर 2024 को उसका निकाह चांदपुर मुफ्तीसराय निवासी मो. अफजल के साथ हुआ था। पिता ने शादी में करीब 35 लाख खर्च किए, जिसमें कार, 5 तोले सोना व हीरे का सेट दिया गया। आरोप है कि ससुराल वाले कम दहेज का ताना देकर निशान मैग्नाइट कार लौटाकर ग्रैंड विटारा, स्कूटी और 20 तोले सोने की मांग करने लगे। पीड़िता ने बताया कि 28 अक्टूबर 2025 को चांदपुर के निजी अस्पताल में बेटे का जन्म हुआ, होश आने पर बताया गया बच्चा मशीन में है, अगले दिन बताया गया कि मौत हो गई और रात में ही दफन कर दिया गया। पीड़िता ने बच्चे का शव न दिखाने व दस्तावेज न देने का आरोप लगाते हुए मौत को संदिग्ध बताया और जांच की मांग की है। साथ ही 8 जून 2026 को मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाया।प्रभारी निरीक्षक किशन अवतार सिंह ने बताया कि तहरीर पर पति मो. अफजल, ससुर इसरार अहमद, सास सायरा, ननद सानिया और निदा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पीड़िता ने राष्ट्रीय महिला आयोग से भी शिकायत की है।

लुधियाना में 15 वर्षीय छात्रा ने की आत्महत्या, इंस्टाग्राम फ्रेंड समलैंगिक विवाह के लिए बना रही थी दबाव



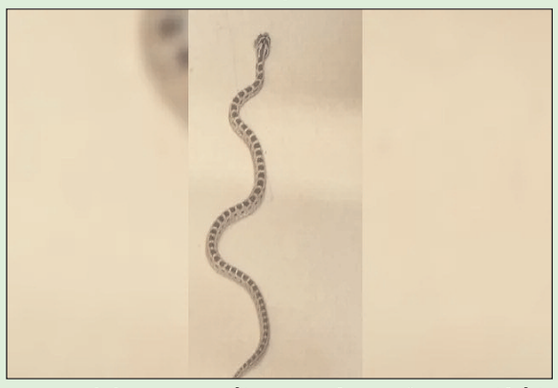
लुधियाना। लुधियाना के जोधेवाल थाना क्षेत्र के विष्णु नगर (राहों रोड) में 15 वर्षीय दसवीं कक्षा की छात्रा ने कमरे में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव कमरे में लटकता मिला। परिजनों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। परिजनों ने युवती के आत्महत्या करने के पीछे समलैंगिक रिश्ते बनाने का आरोप लगाया है। पीड़ित परिवार ने पुलिस को जानकारी दी कि गोपाल नगर की रहने वाली 25 वर्षीय युवती पर छात्रा को समलैंगिक विवाह करने के लिए दबाव बना रही थी। इतना ही नहीं वे उनकी बेटी को मानसिक रूप से प्रताड़ित भी कर रही थी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने युवती के खिलाफ बीएनएस की धारा 108 के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपित की तलाश कर रही है। इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती पुलिस को दिए बयान में छात्रा के पिता ने बताया कि वह एक फैक्ट्री में काम करते हैं। परिवार में उनकी दो बेटियां हैं। 31 अक्टूबर की शाम करीब पांच बजे उनकी 15 वर्षीय बेटी ने अपने कमरे में पंखे से फंदा लगाकर जान दे दी। परिजनों के मुताबिक, करीब छह महीने पहले छात्रा की इंस्टाग्राम के जरिए एक 25 वर्षीय युवती से दोस्ती हुई थी। पहले भी लड़कियों को फंसा चुकी आरोपी आरोप है कि युवती लगातार छात्रा पर समलैंगिक विवाह करने का दबाव बना रही थी। इसी बात को लेकर छात्रा मानसिक रूप से परेशान थी। जांच अधिकारी एसआइ सुखविंदर सिंह के मुताबिक, शुरूआती जांच में सामने आया है कि संबंधित युवती पहले भी एक-दो अन्य लड़कियों को इसी तरह अपने जाल में फंसा चुकी है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। आरोपित की गिरफ्तारी के लिए तलाश जारी है।

सराफा बाजार में सोना-चांदी लुढ़के, मंडियों में आटा-दाल के भाव में आज दिखा उतार-चढ़ाव



अमृतसर। पंजाब के सराफा और मंडी बाजारों में इन दिनों मिलाजुला रुख देखने को मिल रहा है। जहां एक ओर कीमती धातुओं के बाजार में गिरावट का दौर जारी है, वहीं दूसरी ओर कृषि जिंसों और खाद्य वस्तुओं के दामों में लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है। सराफा बाजार में सोना स्टैंडर्ड, 24 कैरेट, 22 कैरेट और गिन्नी के साथ-साथ चांदी तेजाबी व सिक्कों के भावों में गिरावट से खरीदारों की गिनती बढ़ रही है। इसके विपरीत, पंजाब की प्रमुख दिसावरी मंडियों जैसे खन्ना, लुधियाना, अमृतसर, जालंधर और बठिंडा में गेहूं, आटा, मैदा, सूजी, चावल, विभिन्न दालों (जैसे चना, मूंग, उड़द, राजमां) और मसालों के थोक भावों में लगातार घट-बढ़ दर्ज की जा रही है। मंडियों में सरसों व बिनौला खल, विभिन्न तेलों तथा कपास-नरमा के दामों में भी स्थानीय मांग और आवक के हिसाब से बदलाव देखा जा रहा है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, त्योहारी सीजन के बाद की मांग और वैश्विक संकेतों का असर सीधे तौर पर इन जिंसों की कीमतों पर पड़ रहा है, जिससे खुदरा और थोक व्यापारियों दोनों को सतर्क रुख अपनाना पड़ रहा है।

अमृतसर सिविल अस्पताल में निकला सांप, डर के मारे काम छोड़कर भागे कर्मचारी



अमृतसर। सिविल अस्पताल में अफरातफरी मच गई जब नसबंदी केंद्र के बाहर एक सांप घूमता दिखाई दिया। सुबह अस्पताल में अपने काम में जुटे कर्मचारियों की नजर जैसे ही सांप पर पड़ी, वे घबराकर वहां से दूर भागने लगे। जानकारी के अनुसार सांप नसबंदी केंद्र के बाहर रेंग रहा था। कर्मचारियों ने उसे देखते ही आसपास मौजूद अन्य लोगों को सतर्क किया। अस्पताल परिसर में सांप होने की सूचना से वहां मौजूद कर्मचारियों और लोगों में डर का माहौल बन गया। इसके बाद कुछ कर्मचारियों ने हिम्मत दिखाते हुए सावधानी के साथ सांप को अस्पताल के भीतर से बाहर निकालने का प्रयास किया। काफी सतर्कता बरतते हुए उन्होंने सांप को सुरक्षित तरीके से अस्पताल परिसर से बाहर कर दिया। सांप हल्के भूरे रंग का था। उस पर गहरे भूरे रंग के धब्बे बने हुए हैं। हालांकि, इसकी प्रजाति की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसके कुकरी समूह का सांप होने की संभावना जताई जा रही है। अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर सांप मिलने की घटना ने परिसर की साफ-सफाई पर प्रश्न खड़े किए है। झाड़ियों तथा खाली स्थानों की नियमित सफाई नहीं की जा रही।

हरियाणा के पुलिस वाले सबसे भ्रष्ट, राजस्व विभाग में भी जमकर भ्रष्टाचार; अब रिश्वत के लिए चलते हैं इशारे

चंडीगढ़। हरियाणा में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रदेश सरकार ने एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) को खुला हाथ दे रखा है। राज्य में 34 सरकारी विभाग ऐसे हैं, जिनमें कोई न कोई अधिकारी और कर्मचारी रिश्वत लेते हुए पकड़ा जा रहा है। इसके भी आगे बढ़कर पुलिस व राजस्व विभाग में सबसे अधिक भ्रष्टाचार सामने आया है, जहां सबसे अधिक भ्रष्टाचार है। इन दोनों विभागों में इस साल 79 अधिकारी और कर्मचारी रिश्वत लेते पकड़े जा चुके हैं। पुलिस विभाग में 43 और राजस्व विभाग में 36 ट्रैप हुए हैं। एक साल पहले तक हर तीसरे दिन एक अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत लेते हुए पकड़ा जाता था, मगर इस साल यह औसत दो दिन में पहुंच गया है। सरकारी विभागों में रिश्वतखोरों पर कार्रवाई बढ़ने से भ्रष्टाचारियों ने रिश्वत लेना कम नहीं किया, बल्कि उसका तरीका बदल दिया है। अब मुंह से बोलने की बजाय इशारों से रिश्वत मांगी जा रही है, जिसे ट्रैप करने के लिए पुलिस आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल कर रही है। अब तक 176 ट्रैप ऑपरेशन एंटी करप्शन ब्यूरो ने वर्ष 2026 में अब तक 176 ट्रैप ऑपरेशन किए हैं। कुल ट्रैप कार्रवाई में पुलिस व राजस्व विभाग की हिस्सेदारी करीब 45 प्रतिशत है। यह दोनों विभाग ऐसे हैं, जहां बिना पैसे के काम कराना आसान नहीं है। एंटी करप्शन ब्यूरो के महानिदेशक अरशिंदर सिंह चावला ने इन सरकारी विभागों को भ्रष्टाचार की दलदल से बाहर निकालने का बीड़ा उठाया है। सीएम ने दिए कड़ी कार्रवाई के निर्देश उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि हरियाणा सरकार खासकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तरफ से आज तक ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि किसी भ्रष्टाचारी पर कोई नरमी बरतनी है। उन्होंने हर बार भ्रष्टाचारियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, जिससे ब्यूरो को बिना किसी दबाव के काम करने का माहौल मिला है। अरशिंदर चावला के



अनुसार, पिछले कई वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण करने पर भी पुलिस और राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार की शिकायतें सबसे अधिक सामने आती रही हैं। इन विभागों में आम लोगों का रोजाना काम पड़ता है। इसी वजह से यहां रिश्वतखोरी की शिकायतों की संख्या अधिक है। वर्ष 2026 में ट्रैप ऑपरेशन का आंकड़ा पिछले करीब एक दशक के मुकाबले सबसे अधिक स्तर पर पहुंचा है। सरकारी छुट्टियों को अलग कर देखें तो औसतन हर दूसरे दिन एक सरकारी कर्मचारी रिश्वत लेते पकड़ा जा रहा है। यह केवल एसीबी की कार्रवाई का आंकड़ा नहीं है, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि लोग अब भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकायत करने के लिए आगे आ रहे हैं। रिश्वत मांगने का तरीका भी बदल रहा एंटी करप्शन ब्यूरो के डीजीपी ने बताया कि भ्रष्टाचार के मामलों में रिश्वत मांगने का तरीका भी बदल रहा है। अब कई मामलों में सीधे रकम मांगने की बजाय इशारों और दूसरे माध्यमों का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे मामलों में ठोस सबूत जुटाना बड़ी चुनौती है। इसलिए एसीबी तकनीकी साक्ष्यों, ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग और आधुनिक उपकरणों के इस्तेमाल पर जोर दे रही है। शिकायतकताओं की ओर से उपलब्ध कराई गई रिकॉर्डिंग को साक्ष्य के रूप में मजबूत बनाने के लिए फारेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) के साथ समन्वय बढ़ाया गया है। हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप प्राथमिक स्त्रोत से प्राप्त रिकार्डिंग को सत्यापन के लिए जमा कराने की व्यवस्था पर काम किया जा रहा है, जो पहले किसी चिप और पेन ड्राइव में देने पड़ते थे। शिकायतकताओं को इनाम, पहचान भी सुरक्षित अरशिंदर चावला के अनुसार, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में आम लोगों की भागीदारी सबसे जरूरी है। कई लोग रिश्वतखोरी की जानकारी होने के बावजूद इसलिए शिकायत नहीं करते कि उनका नाम सामने आ जाएगा या उन्हें परेशान किया जाएगा। एसीबी शिकायतकताओं की पहचान सुरक्षित रखने और शिकायत प्रक्रिया को आसान बनाने पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि जिन शिकायतकताओं की गवाही और सहयोग से भ्रष्ट अधिकारियों को अदालत से सजा दिलाने में सफलता मिली है, उन्हें सम्मानित किया जा रहा है। वर्ष 2021 से अब तक ऐसे मामलों में फैसला आने के बाद शिकायतकताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र भी दिए गए हैं। सम्मानित किए जाने वालों के फोटो ब्यूरो की वेबसाइट पर लगाने की दिशा में ही सरकार विचार कर रही है। उन्होंने लोगों से कहा है कि रिश्वत मांगने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ हिम्मत से आगे आकर एसीबी का सहयोग करें। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई केवल सरकारी एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी से ही इसे प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है।

मौत को मात देकर मुस्कुराई 6 साल की बच्ची, ब्रेन मैपिंग टेस्ट रिपोर्ट पर होगी हमलावर 8 वर्षीय छात्र पर कार्रवाई

पंचकूला। क्लासरूम में आठ साल के बच्चे के हमले में घायल छह साल की बच्ची की सेहत में सुधार है। उसका पीजीआई में इलाज चल रहा और हमले के करीब एक हफ्ते बाद मौत को मात देकर चेहरे पर हल्की मुस्कान आई है। पिता ने बेटी के भविष्य के लिए बेटी के उचित मुआवजे की मांग की है। दूसरी तरफ, क्लासरूम में बच्ची पर ईंट और लातों से हमला करने वाले आठ वर्षीय छात्र का सोमवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित जीएमसीएच में मेंटल मैपिंग टेस्ट करवाया गया। उसे जुवेनाइल आब्जर्वेशन होम अंबाला से अस्पताल लाया गया था। इस परीक्षण की रिपोर्ट मंगलवार को आएगी, रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार हमला करने वाले बच्चे का जीएमसीएच-32 में परीक्षण करवाने के बाद उसे ऑब्जर्वेशन होम भेजा गया है। यह घटना पंचकूला सेक्टर-20 के सरकारी स्कूल में हुई थी।



शिक्षा विभाग समेत तीन अलग-अलग समितियां मामले की जांच में जुटी हैं। दो महिला शिक्षकों और प्रिंसिपल नीलू कत्याल को सस्पेंड किया जा चुका है। सोमवार को स्कूल में बीईओ की अध्यक्षता में गठित जांच टीम ने ढाई घंटे तक पूछताछ की। इस दौरान निलंबित दोनों टीचर, प्रिंसिपल और स्कूल का पूरा स्टाफ मौजूद रहा। टीम मामले में लापरवाही से लेकर कार्रवाई में हुई देरी की हर कड़ी को खंगाल रही है। जांच समिति की रिपोर्ट आने के बाद स्कूल के अन्य स्टाफ सदस्यों पर भी कार्रवाई हो सकती है। घटना के इन बिंदुओं पर जांच कर रही कमेटी घटना के समय स्कूल में कितना स्टाफ था। उस समय बच्चों की संख्या कितनी थी और क्लास में कौन शिक्षक था। स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखने की व्यवस्था प्रिंसिपल के कमरे में थी। ऐसे में जब बच्ची स्कूल से बाहर निकली, तब प्रिंसिपल स्कूल में थी या नहीं। सीसीटीवी फुटेज को समय पर क्यों नहीं देखा गया। दोपहर की शिफ्ट में स्कूल छोटी कक्षा के बच्चों के लिए होता है

हरियाणा के पूर्व सीएम हुड्डा को बड़ी राहत, सीबीआई कोर्ट ने बंद किया केस, सरकार ने भी जताई सहमति

पंचकूला। गेहूं के बीज के उपचार के लिए कंपनी के रैक्सिल फफूंदनाशक घोटाले के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दो आईएएस अधिकारियों को बड़ी राहत मिली है। पंचकूला स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने मामले में जांच एजेंसी की तरफ से दाखिल क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार करते हुए केस बंद कर दिया है। सीबीआइ जांच में अधिकारियों के बीच साजिश, धोखाधड़ी, सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने या किसी अधिकारी को निजी आर्थिक लाभ मिलने के पर्याप्त सबूत नहीं मिले। यह मामला अक्टूबर 2010 में हरियाणा में गेहूं के प्रमाणित बीज के उपचार के लिए बायर कंपनी के रैक्सिल फफूंदनाशक का इस्तेमाल अनिवार्य करने से जुड़ा है। आरोप था कि तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में छह अक्टूबर 2010 को हुई बैठक में



इस दवा को अनिवार्य करने का फैसला लिया गया। इसके बाद किसानों और बीज विक्रेताओं को सरकारी सब्सिडी लेने के लिए इसी दवा की खरीद करनी पड़ती थी। आरोप यह भी था कि प्रदेश में इसकी आपूर्ति एक ही फर्म से करवाई गई और दवा की कीमत बढ़ाकर सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये का भुगतान किया गया। वैज्ञानिक जांच में सही पाया गया दवा का इस्तेमाल सीबीआई ने जांच में पाया कि वर्ष 2003 में कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की जांच में गेहूं की फसल में तीन बीमारियों के उपचार के लिए रैक्सिल का नाम शामिल किया गया था। उस समय यह तीनों बीमारियों के उपचार के लिए इसी दवा का इस्तेमाल के लिए कहा गया था। जांच में यह भी सामने आया कि पंजाब स्टेट सीड कारपोरेशन और नेशनल सीड कॉरपोरेशन ने भी इसी दर पर दवा खरीदी थी, जिस दर पर हरियाणा सीड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को इसकी आपूर्ति हुई थी। इसलिए कीमत बढ़ाकर वसूली करने का आरोप साबित नहीं हुआ।

आस्ट्रेलिया से दो दिन पहले लौटा था पति, प्लानिंग कर बेटे को बाहर भेजकर पत्नी को चाकू से गोदा; चरित्र पर था शक

लुधियाना। लुधियाना के पक्खोवाल रोड स्थित विकास नगर में आस्ट्रेलिया से लौटने के दो दिन बाद ही एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आरोपित ने वारदात को अंजाम देने से पहले बेटे को सामान लेने के लिए घर से बाहर भेज दिया। बेटा जब वापस लौटा तो मां कमलदीप कौर (49) का शव बेडरूम में खून से लथपथ जमीन पर पड़ा था। महिला के शरीर पर चाकू से कई वार किए गए थे। हत्या के बाद आरोपित ने चाकू धोकर रसोई में रख दिया और घर से बाहर निकल गया। बेटे ने इसकी सूचना थाना दुगरी की पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपित पति रविंदर सिंह (50) को गिरफ्तार कर लिया है। रविंदर सिंह पिकअप वैन चलाता है। दंपती का छोटा बेटा आस्ट्रेलिया में रहता है। दोनों कुछ समय पहले उससे मिलने विदेश गए थे। कमलदीप करीब चार महीने पहले भारत लौट आई थी, जबकि रविंदर करीब छह महीने से



आस्ट्रेलिया में रहने के बाद दो दिन पहले ही लौटा था। उसका बड़ा बेटा गगनदीप सिंह भी उनके साथ रहता है। आरोपित अपनी पत्नी पर शक करता था। प्लानिंग के तहत जूस लाने भेजा गगनदीप के मुताबिक, वह दो दिन पहले ही पिता को अमृतसर एयरपोर्ट से लेकर आया था। पहले दिन घर में सब सामान्य रहा। अगले दिन वह पिता को बीपी की दवा दिलवाने भी लेकर गया था। रविवार शाम मां ने उसे दूध लाने और शीशा लगवाने के लिए कहा। इसके बाद पिता ने उसे जूस लाने के लिए भी बाहर भेज दिया। जब वह सामान लेकर वापस लौटा तो घर में मां खून से लथपथ पड़ी थी। उसके शरीर पर चाकू से कई वार किए गए थे। पिता ने प्लानिंग के तहत उसे घर से बाहर भेजने के बाद वारदात को अंजाम दिया। जब वह मौके पर पहुंचा तो पिता घर से बाहर निकल रहे थे। उसने अंदर जाकर मां को संभाला और शोर मचाकर पड़ोसियों को बुलाया। इसके बाद कमलदीप को दीप अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता उसकी मां पर शक करते थे और दोनों के बीच अक्सर बहसबाजी होती रहती थी। उसे आशंका है कि हत्या की योजना पहले से बनाई गई थी। रास्ते में पड़ोसन से की मुलाकात पड़ोसन नरिंदर कौर ने बताया कि वह गुरुद्वारे से लौट रही थीं तो रास्ते में आरोपित उन्हें मिला। उन्होंने कहा सत श्री अकाल जी। महिला ने उससे पूछा, कि आप विदेश से आ गए। तो उसमे कहा हां। इतना कहने के बाद वो वहां से चला गया। नरिंदर कौर ने बताया कि जब वो कमलदीप के घर के बाहर पहुंची तो देखा कि गेट खुला हुआ था। इलाके में पहले चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, इसलिए उन्होंने घर के पास जाकर कमलदीप को आवाज लगाई। इसी दौरान अंदर से बेटे के मां-मां चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। बेटे ने उन्हें बुलाकर बताया कि उसकी मां की हत्या कर दी गई है। नरिंदर कौर के अनुसार, कमलदीप का शव जमीन पर पड़ा था और इसी दौरान उसका पति घर से बाहर निकलता दिखाई दिया। उन्होंने शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया।

डेरा ब्यास पहुंचे परगट सिंह, राधा स्वामी सत्संग ब्यास प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से लिया आशीर्वाद



जालंधर। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं विधायक परगट सिंह ने आज राधा स्वामी सत्संग ब्यास के प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से शिष्टाचार मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान सरदार परगट सिंह ने कहा कि पंजाब की एकता, अमन-शांति और खुशहाली के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। पंजाब की धरती ने हमेशा देश को आपसी प्रेम, सांप्रदायिक सद्भाव और मानवता की सेवा का संदेश दिया है। इस विरासत को कायम रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पंजाब आज कई चुनौतियों से गुजर रहा है। युवाओं का भविष्य, नशे की समस्या, सामाजिक सद्भाव और खुशहाली जैसे मुद्दों पर सभी वर्गों को मिलकर सकारात्मक भूमिका निभानी होगी। पंजाब की तरक्की केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की भागीदारी से ही सुनिश्चित हो सकती है। परगट सिंह ने कहा कि संत-महापुरुषों की शिक्षाएं समाज को सेवा, विनम्रता, प्रेम और मानवता के रास्ते पर चलने की प्रेरणा देती हैं। आध्यात्मिक संस्थाओं का संदेश समाज में आपसी विश्वास और भाईचारे को मजबूत करता है।

दीपावली-छठ पर बिहार जाना हुआ आसान, हरियाणा से 12 मार्गों पर चलेंगी बसें; किराए में 1100 तक की मिलेगी बंपर छूट

चंडीगढ़। हरियाणा से बिहार आने-जाने वाले यात्रियों को जल्द ही 12 अंतरराज्यीय मार्गों पर बस सेवाएं उपलब्ध होंगी। गुरुग्राम, पानीपत और अंबाला से पटना, पूर्णिया और मधुबनी तथा गुरुग्राम और अंबाला से गया के बीच यात्रियों को सीधी बस सेवा उपलब्ध होगी। सबसे लंबा मार्ग अंबाला से पूर्णिया तक 1470 किलोमीटर का है, जबकि गुरुग्राम से पटना की दूरी 1044 किलोमीटर रहेगी। परिवहन सचिव अतुल द्विवेदी ने दोनों राज्यों के बीच समझौते की अधिसूचना जारी करते हुए 30 दिन में आपत्तियां और सुझाव मांगे हैं। परमिट की शर्तें, किराया निर्धारण, वाहनों की उम्र, टैक्स की वसूली और प्रदूषण मानकों तथा यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े नियमों के साथ ही दोनों राज्यों के बीच बसों के संचालन की निगरानी और अनधिकृत परिचालन पर रोक लगाने के लिए व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। गुरुग्राम से पटना का 1044 किलोमीटर का मार्ग सोहना, पलवल, अलीगढ़, लखनऊ, आलमबाग, आजमगढ़, बक्सर और आरा से होकर गुजरेगा। पानीपत से पटना का प्रस्तावित मार्ग 1069 किलोमीटर का है, जो दिल्ली, नोयडा, आजमगढ़, बक्सर और आरा से होकर जाएगा। अंबाला से पटना की दूरी 1274 किलोमीटर रहेगी। इस मार्ग पर करनाल, मेरठ, बुलंदशहर, एटा, लखनऊ, अयोध्या, बस्ती, गोरखपुर, कुशीनगर और गोपालगंज पड़ेंगे। इन शहरों के लिए भी चलेंगी बसें पूर्णिया के लिए गुरुग्राम से 1267 किलोमीटर, पानीपत से 1361 किलोमीटर और अंबाला से 1470 किलोमीटर का मार्ग प्रस्तावित है। इन मार्गों में लखनऊ, गोरखपुर, गोपालगंज,



मुजफ्फरपुर और दरभंगा जैसे शहर शामिल हैं। गया के लिए गुरुग्राम से 1081 और 1099 किलोमीटर के दो मार्ग रखे गए हैं। दोनों मार्गों में दिल्ली, अलीगढ़, फिरोजाबाद, कानपुर, प्रयागराज, मुगलसराय, भभुआ, सासाराम और औरंगाबाद क्षेत्र शामिल हैं। अंबाला से गया का प्रस्तावित मार्ग 1224 किलोमीटर का है। मधुबनी के लिए गुरुग्राम से 1183, पानीपत से 1264 और अंबाला से 1378 किलोमीटर के मार्ग निर्धारित किए गए हैं। इनमें लखनऊ, गोरखपुर, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर और दरभंगा जैसे प्रमुख पड़ाव शामिल हैं। बसें किस समय चलेंगी और रोजाना कितने फेरे लगाएंगी, यह अभी तय नहीं है। समय-सारिणी दोनों राज्यों के संबंधित परिवहन प्राधिकरण अपने परिवहन उपक्रमों से परामर्श करके निर्धारित करेंगे। एक्सप्रेस, डीलक्स, डीलक्स एसी और एसी स्लीपर बसें चलाई जा सकेंगी। 10 साल से पुरानी बसें नहीं चलेंगी यात्रियों की सुविधा के लिए प्रस्तावित अंतरराज्यीय मार्गों पर 10 साल पुरानी बसों को चलाने की अनुमति नहीं मिलेगी। दूसरे राज्य में टैक्स बकाया होने पर आवेदक को नया परमिट जारी नहीं किया जाएगा। अस्थायी मालवाहक परमिट एक बार में अधिकतम 30 दिन के लिए जारी किए जा सकेंगे। पर्यटक बसों के लिए 15 दिन का परमिट दिया जाएगा। बसों में वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस और कम से कम एक आपातकालीन बटन लगाना अनिवार्य रहेगा। बस खराब होने की स्थिति में दोनों राज्यों को एक-दूसरे के वाहनों को प्राथमिकता से सहायता उपलब्ध करानी होगी। दिवाली और छठ पर चलेंगी विशेष बसें बिहार राज्य पथ परिवहन निगम दिवाली और छठ महापर्व पर पटना से हरियाणा के लिए सात, गया से दो, पूर्णिया से 18 तथा दरभंगा से 22 विशेष बसें चलाएगा। विशेष बात यह कि बस किराये में छूट भी दी जा रही है। भागलपुर से अंबाला रूट पर एसी स्लीपर बस का वास्तविक किराया 3603 रुपये है, जिस पर 1113 रुपये की छूट दी जा रही है। पूर्णिया से अंबाला रूट का किराया 3462 रुपये है, जिस पर 1103 रुपये की छूट है। इसी तरह मधुबनी से अंबाला रूट पर वास्तविक किराया 3257 रुपये है, जिस पर 1092 रुपये की छूट मिल रही है।

जानकारी

हाथ धोने के लिए पानी ठंडा हो या गर्म

जानें बैक्टीरिया मारने में कौन सबसे ज्यादा असरदार

हाथ धोने का महत्व आज ज्यादातर लोग समझ चुके हैं। जो लोग अब भी गंदे हाथों से खाना-पीना करते हैं, उनके लिए 1 से 7 दिसंबर तक हैंडवॉशिंग अवेयरनेस वीक यानी हाथ धो कर साफ रखने के लिए जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। ठंड के मौसम में इस तरह की सफाई का ख्याल रखना और जरूरी हो जाता है, क्योंकि ठंडे पानी से हर कोई दूर रहना चाहता है। कई लोग यह दलील देते हैं कि गर्म पानी से हाथ धोना फायदेमंद होता है और इससे बैक्टीरिया ज्यादा मरते हैं। लेकिन क्या यह बात सच है? ताजा वैज्ञानिक अध्ययन में इस बात का जवाब दिया गया है कि क्या गर्म पानी और ठंडे पानी से हाथ धोने में कोई फर्क है?

जर्नल ऑफ फूड प्रोटेक्शन में प्रकाशित ताजा रिसर्च के अनुसार, हाथ गर्म पानी से धोए जाएं या ठंडे से, कोई फर्क नहीं पड़ता है। खतरनाक बैक्टीरिया का सफाया करने में दोनों समान रूप से कारगर हैं। इतना जरूर है कि गर्म पानी में साबुन अच्छी तरह पिघल जाता है। इससे भी कई लोगों को लगता है कि गर्म पानी ज्यादा आसानी से बैक्टीरिया मारता है, लेकिन अब यह बात गलत साबित हुई है।

नए अध्ययन में विभिन्न पहलुओं से गर्म और ठंडे पानी के असर की जांच की गई, जैसे साबुन की मात्रा, पानी का तापमान, हाथ धोने में लगाया गया समय और साबुन कितना असरदार है।



10 सेकंड तक धोएं हाथ, पानी गर्म हो या ठंडा

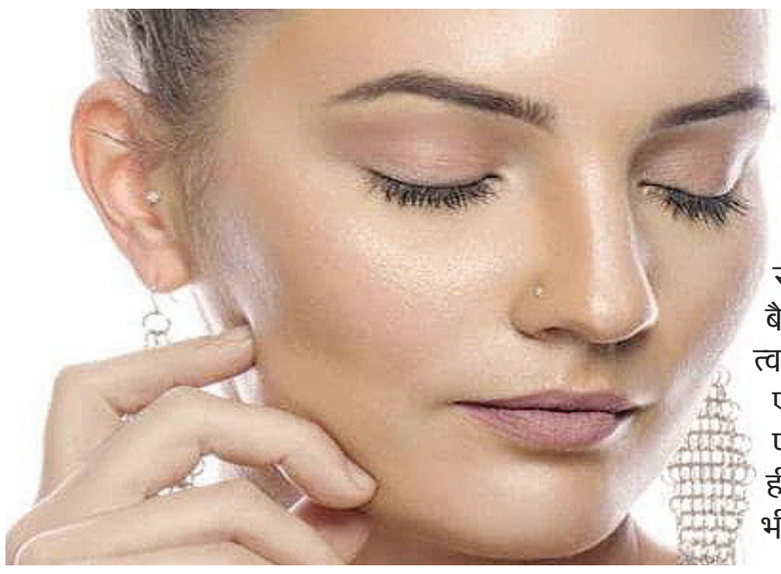
अध्ययन में पाया गया कि पानी के तापमान का बैक्टीरिया को कम करने पर महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा। चाहे यह 38 डिग्री सेल्सियस या 16 डिग्री सेल्सियस था, शोधकर्ताओं ने बैक्टीरिया में कमी में कोई अंतर नहीं पाया। इसके अलावा, अध्ययन से पता चला कि कीटाणुओं को दूर करने के लिए 10 सेकंड तक हाथ धोना काफी प्रभावी होता है।

ठंड में बरतें यह सावधानी

ठंड में कई लोगों को सुखी त्वचा की समस्या से जूझना पड़ता है, खासतौर पर ऐसा हाथों में अधिक होता है। अक्सर साबुन में पाए जाने वाले रसायन हाथों की त्वचा को ड्राय बना देते हैं। ऐसे लोगों को साबुन से हाथ धोने से बचना चाहिए। जो लोग पानी के संपर्क में बहुत समय बिताते हैं, उन्हें रबर के दास्ताने पहनकर काम करना चाहिए। लंबे समय तक पानी के संपर्क में रहने से हाथ ड्राय हो सकते हैं क्योंकि यह त्वचा में मौजूद प्राकृतिक ऑयल को धो देता है।

पानी का काम नहीं कर सकता हैंड सैनिटाइजर

डॉ. दीप्शा अग्रवाल के अनुसार, हैंड सैनिटाइजर का उपयोग हाथ साफ करने के लिए किया जाता है, लेकिन साबुन से हाथ धोने से अच्छा कुछ भी नहीं है। इससे ही हमारे हाथों पर जमे कीटाणु 100 फीसदी तक खत्म हो सकते हैं। इसलिए हैंड सैनिटाइजर का उपयोग वहीं करना चाहिए, वहां पानी से हाथ धोने की सुविधा नहीं है। हैंड सैनिटाइजर खरीदते समय ध्यान रखें कि कहीं उसमें ट्राइक्लोसेन या थाइलेड्स कैमिकल तो नहीं हैं। ये दोनों कैमिकल हानिकारक होते हैं। खासतौर पर थाइलेड्स त्वचा के जरिए ब्लड में जा सकता है और बहुत नुकसान पहुंचा सकता है।



सर्दियों में ड्राई स्किन से हैं परेशान

आजमाएं ये घरेलू नुस्खे झट से मिलेगा आराम

ड्राई स्किन या सूखी त्वचा असल में बड़ी समस्या नहीं है, लेकिन ध्यान न दिए जाने पर यह एक्जिमा (लाल चकत्ते) या घावों से खून के रिसाव की वजह बनती हैं। एक अन्य संभावित परेशानी सेकंडरी बैक्टीरियल इन्फेक्शन (लाल त्वचा, सूजन, पस) होता है जिसमें एंटीबायोटिक्स लेने की जरूरत पड़ जाती है। बहुत कम मामलों में ही सही, सूखी त्वचा का एलर्जी से भी संबंध पाया जाता है।

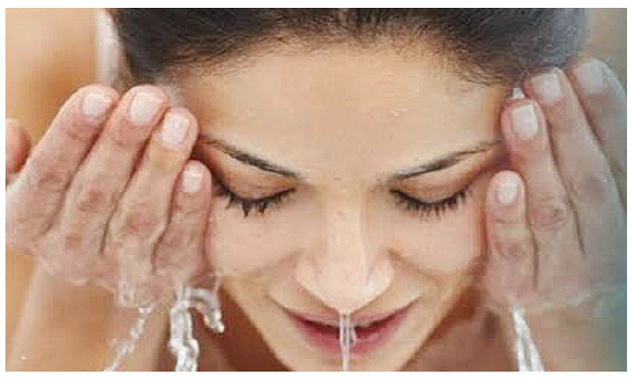
त्वचा में नमी रखें

त्वचा को सूखने से बचाने का सबसे आसान उपाय उसे नम रखना है। स्किन मॉइस्चराइजर इस काम में आपकी बहुत ज्यादा मदद कर सकते हैं। खास बात यह है कि मॉइस्चराइजर जितना ज्यादा गाढ़ा और चिकना होगा, उतना ही ज्यादा प्रभावी होगा। इसमें तीन तरह की मुख्य वस्तुएं होती हैं-

1- ह्यूमेक्टेंट्स जो नमी को आकर्षित करते हैं और इसमें सेरेमाइड्स, ग्लिसरीन, सॉर्बिटॉल, हायएल्यूरोनिक एसिड और लेसिथिन होते हैं।

2- दूसरा समूह होता है पेट्रोलेटम (पेट्रोलियम जेली), सिलिकॉन, लेनोलिन और मिनरल ऑइल का। यह नमी को त्वचा में ही कायम रखने में मदद करते हैं।

3- लिनोलेइक, लिनोलेनिक और लॉरिक एसिड्स जैसे एमोलिएंट्स। यह त्वचा के सेल्स के बीच की जगहों को भरकर उसे मुलायम बनाए रखते हैं।



कुल मिलाकर सबसे प्रभावी (और सबसे किफायती) की श्रेणी में पेट्रोलियम जैली और मॉइस्चराइजिंग ऑइल (जैसे मिनरल ऑइल) को रखा जा सकता है। दरअसल, इनमें पानी का अंश नहीं होता और नहाने के बाद त्वचा को नम रखने में यह सहायक होते हैं। कम चिकने मॉइस्चराइजर ज्यादा आकर्षक मगर कम प्रभावी होते हैं।

सूखी त्वचा से कैसे बचें?

- गर्म पानी से नहाने या शॉवर करने की अवधि को 5 से 10 मिनट तक ही सीमित कर दें। जितना ज्यादा नहाएंगे त्वचा की तैलीय परत कम होती जाएगी।
- नहाने के लिए बहुत गर्म पानी की बजाय कुनकुना (गुनगुना) पानी इस्तेमाल करें।
- साबुन का इस्तेमाल कम से कम करें।
- सेटाफिल, ऑइलटम-एडी, एक्वेनिल जैसे सोप-फ्री क्लीन्सर्स का इस्तेमाल करें।
- खुशबूदार साबुन, अल्कोहल से दूरी बनाएं।
- बाथ स्पंज, स्क्रब ब्रश और कपड़े धोने को टालें।
- नहाने के बाद शरीर को सूखाने के दौरान टॉवेल को जोर से न रगड़ें।
- नहाने या हाथ धोने के तत्काल बाद मॉइस्चराइजर लगाएं।
- पेट्रोलियम जैली और गाढ़े क्रीम्स का चिपचिपापन टालने के लिए पहले उसे कुछ देर हाथ में मलें फिर शरीर के प्रभावित हिस्से पर लगाएं।
- त्वचा पर कभी न खुजाएं। मॉइस्चराइजर लगाने पर वैसे इसकी जरूरत ही नहीं पड़ेगी।
- खुजली वाले हिस्से पर कोल्ड पैक से भी राहत मिल सकती है।
- खुजली पैदा करने वाले वूलन स्वेटर, जैकेट सीधे शरीर पर न पहनें। पहले कॉटन का कपड़ा पहनें, उसके ऊपर ऊनी कपड़े पहनें।

कब मिलें डॉक्टर से

मौसम में बदलाव या उम्र बढ़ना आपकी त्वचा के सूखने की वजह न हो तो डॉक्टर से मिलना ही बेहतर विकल्प होगा। हो सकता है त्वचा का कोई और रोग हो। घरेलू उपचार या बाजार से लाए गए मॉइश्चराइजर त्वचा के सूखने की समस्या को और अधिक ना बढ़ा दें।

सेहत

आपकी त्वचा को कैसे प्रभावित करती है डायबिटीज

इसके लक्षण और बचाव

वर्तमान समय में डायबिटीज एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, आज इससे पूरी दुनिया प्रभावित है। डायबिटीज को शुरुआती निदान और उपचार के माध्यम से समय पर बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। चूंकि अनियंत्रित रक्त शर्करा का स्तर कई गंभीर जटिलताओं से जुड़ा होता है, इसलिए समय पर बीमारी को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की जरूरत होती है। डायबिटीज के शुरुआती चरण में आपको बार-बार पेशाब आना, भूख बढ़ जाना, धुंधली दृष्टि, थकान, प्यास बढ़ जाना, हाथ-पैरों में झुनझुनी, यीस्ट संक्रमण और घावों का धीमी गति में सही होना जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। डायबिटीज के लक्षण त्वचा पर भी दिखाई देते हैं। अनियंत्रित रक्त शर्करा का स्तर भी रोगी की त्वचा को प्रभावित करता है। यहां हम आपको त्वचा पर दिखने वाले डायबिटीज के कुछ सामान्य लक्षणों के बारे में बता रहे हैं।



त्वचा पर दिखने वाले डायबिटीज के लक्षण क्या हैं

शुरुआती चरण के दौरान एक डायबिटीज रोगी की त्वचा पर पैच दिखाई दे सकते हैं। डार्क स्किन के ये पैच गर्दन या बगल (कांख) पर दिखाई दे सकते हैं। यह पैच सॉफ्ट हो सकता है। कुछ मामलों में व्यक्ति को रूखी त्वचा का अनुभव हो सकता है।

डायबिटीज और त्वचा संबंधी समस्याओं के बीच क्या संबंध है?

अनियंत्रित ब्लड शुगर लेवल मुख्य रूप से त्वचा संबंधी समस्याओं को जन्म देता है। विशेषज्ञों की मानें तो मधुमेह और त्वचा के संबंधी समस्याओं के बीच एक गहरा संबंध है, जिसे नकारा नहीं जा सकता है। त्वचा संबंधी ऐसी कई समस्याएं हैं जो मधुमेह के कारण हो सकती हैं। हालांकि, इन त्वचा संबंधी समस्याओं को डायबिटीज को नियंत्रित कर रोका जा सकता है। डायबेटिक डर्मोपैथी एक शब्द है जिसका उपयोग विशेष रूप से पैरों के सामने की त्वचा पर छोटे, भूरे धब्बों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। रोगी आमतौर पर इन त्वचा के धब्बों के कारण कोई लक्षण विकसित नहीं करते हैं और ये डायबिटीज के ज्यादातर रोगियों में होते हैं। यह लंबे समय से डायबिटीज वाले पुराने रोगियों में अधिक आम है। त्वचा में ये बदलाव डायबिटीज के कारण त्वचा में रक्त परिसंचरण में कमी के कारण होते हैं।

उपचार के क्या विकल्प हैं

हालांकि, अपने आप में इस स्थिति को किसी विशिष्ट उपचार की आवश्यकता नहीं है, यह अच्छी तरह से डायबिटीज की अधिक गंभीर जटिलताओं की उपस्थिति का संकेत दे सकता है जैसे रेटिनोपैथी (आंख को नुकसान), नेफ्रोपैथी (गुर्दे की क्षति) और न्यूरोपैथी (तंत्रिका क्षति)। कॉस्मेटिक छलावरण शायद आवश्यकता होने पर त्वचा के धब्बों की उपस्थिति को छिपाने के लिए उपयोग किया जाता है। डायबिटीज रोगियों में इस तरह के धब्बों का पता चलने पर तुरंत अपने ब्लड शुगर की जांच कराने की आवश्यकता है। डायबिटीज डर्मोपैथी के रोगियों में डायबिटीज का नियंत्रण अन्य जटिलताओं के जोखिम को कम कर सकता है।

अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं

- डायबिटीज के मरीजों में बुलोसिस डायबिटिकोरम भी एक समस्या है, जहां त्वचा में फफोले विकसित होते हैं।
- टाइप 1 डायबिटीज वाले कई मरीज त्वचा की कठोरता का विकास करते हैं जिसे डायबिटिक चीयरोएथ्रोपैथी के नाम से जाना जाता है।
- नेक्रोबायोसिस लिपोइडिका एक ऐसी स्थिति है जिसमें पैरों के सामने की त्वचा में पीले, मोमी धब्बे दिखाई देते हैं।
- डायबिटीज रोगी, खासकर मोटापे के कारण, त्वचा की सिलवटों का कालापन और गाढ़ा हो जाना, इंसुलिन प्रतिरोध के कारण हो सकता है। इस स्थिति को एसेंथोसिस निग्रिकंस कहा जाता है। इनके अलावा, डायबिटीज के रोगियों को विशेष रूप से प्राइवेट पार्ट के आसपास फंगल इंफेक्शन विकसित होने का खतरा होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-1-3-5

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है। शुभांक-4-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-4-5

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-5-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

संतोषजनक सफलता मिलेगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-4-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-5-6-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-6-8

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। शुभांक-3-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

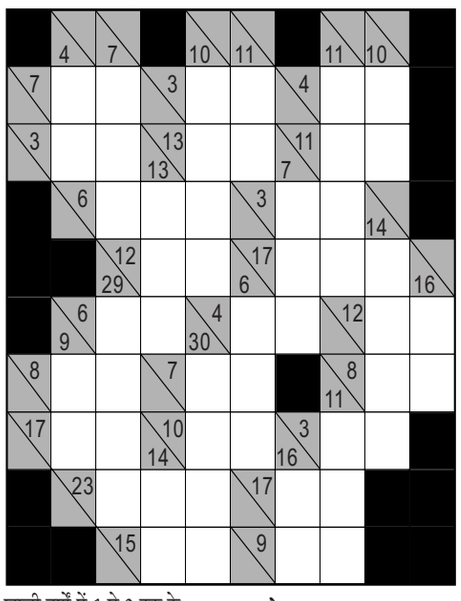
कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-6-9

मीन दी दू थ झ ञ द दो चा ची

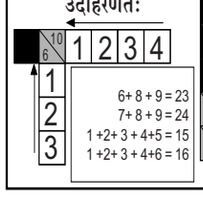
प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली -4058



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4057 का हल

■	■	■	■	9 16	■	■	30 6	
■	■	8 29	1	7	■	7	6	1
■	24 10	7	8	9	■	13 7	8	5
6	1	5	■	■	8	1	7	24 ■
17	9	8	10 3	■	23	6	9	8 5
■	12	9	1	2	3	■	8 11	7	1
■	■	7 24	4	1	2	14 6	1	9	4
■	11 3	9	2	■	8	1	4	3	4 ■
13	2	8	3	■	10	2	5	3	■
8	1	7	■	■	■	3	2	1	■

लॉफिंग ज़ोन

विवाह के बाद प्रेमी ने प्रेमिका से कहा कि देखो अब हमारी शादी हो चुकी है।

तुम्हारी कुछ बातें ऐसी हैं, जो मुझे पसंद नहीं आतीं... और मैं तुम्हें वह सब बता देना चाहता हूँ। तुम चाहो तो इन्हें अपनी कमजोरियाँ समझ सकती हो।

प्रेमिका- रहने दो! मुझे अपनी सारी कमजोरियाँ मालूम हैं। आखिर उन्हीं के कारण तो मैं अच्छा पति नहीं पा सकी। इसका मुझे बेहद अफसोस है।

□ □ □

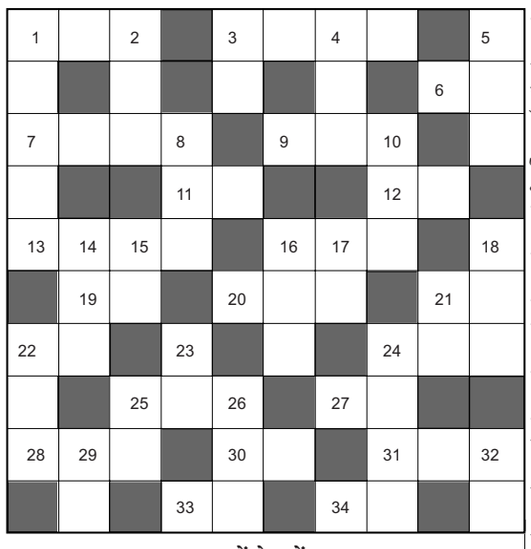
एक मोहल्ले में चल रहे कवि सम्मेलन के दौरान एक कवि मंच पर हाजिर हुआ तो नीचे बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया।

कवि बहुत ज्यादा उत्सुक था, उसने कहा- मेरे प्यारे श्रोताओं! अब मैं तुम्हे जो कविता आपको सुनाने जा रहा हूँ उसका शीर्षक है- पानी, आग और धुआँ।

भीड़ में से एक श्रोता चिल्लाया- अरे, तो सीधे-सीधे क्यों नहीं कहते कि हुक्का है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4058



बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अँखियां ये अँखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टार रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4057

उ	म	रा	व	जा	न	■	आ	गा	ज
मं	■	हु	■	न	■	र	ति	■	मा
ग	ज	ल	■	शी	बा	■	श	बा	ना
■	मी	■	अ	न	जा	ना	■	रू	■
स	र	ग	म	■	र	■	स	द	मा
हे	■	द	ला	ल	■	सु	र	■	ई
ली	ड	र	■	ज्ञा	■	ख	■	खे	ल
■	कै	■	का	■	सो	■	आ	■	व
श	त	औ	र	दि	न	■	रे	■	■
खी	■	■	वॉ	■	म	न	प	सं	द

सूडोकु -4058

8	2	5		6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4057 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 4058



बाएँ से दाएँ

1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली -4057 का हल

■	रा	ह	ज	ली	■	■	फि	स	ल	ना
अ	■	क	हा	र	■	त	न	य	■	बु
ह	क	■	न	व	■	र	म	■	फ	न
म	म	ता	■	ता	क	त	■	चा	त	क
क	र	त	ब	■	म	■	त	ल	वा	र
■	■	■	ल	ह	र	दा	र	■	■	■
ला	व	ज	मा	■	ब	■	स	ह	ल	ज
ज	त	न	■	म	द	द	■	म	ग	न
वा	न	■	क	न	■	ह	म	■	न	म
ब	■	त	म	स	■	ली	ट	र	■	त
■	मे	ह	रा	ब	■	ज	र	ब	फ्त	■



विवेक अग्निहोत्री के साथ पहली बार काम करेंगे कार्तिक आर्यन

फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री और प्रोड्यूसर भूषण कुमार दोनों मिलकर 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित एक फिल्म बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म एक बड़े और देशभक्ति से जुड़े विषय पर होगी, जिसे लेकर अभी से काफी चर्चा शुरू हो गई है।

विवेक अग्निहोत्री की आगामी फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' सच्ची घटनाओं से प्रेरित होगी। इसकी कहानी लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस 'टाइनी' ढिल्लों की किताब ऑपरेशन सिंदूर : द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान पर आधारित है। फिल्म में 6 मई से 10 मई 2025 के बीच हुए इस ऑपरेशन की पूरी कहानी को विस्तार से दिखाया जाएगा।
रिपोर्ट के मुताबिक, बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन 'ऑपरेशन सिंदूर' में मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं। कार्तिक अपनी मौजूदा फिल्म 'कैप्टन इंडिया' का काम पूरा करने के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' पर काम शुरू करेंगे। 'कैप्टन इंडिया' का निर्देशन शिमित अमीन कर रहे हैं। यह फिल्म यमन में हूती संघर्ष की पृष्ठभूमि पर आधारित है और फिलहाल इसकी शूटिंग चल रही है।





'पेद्दी' के किरदार पर शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी

अभिनेत्री जान्हवी कूपर हाल ही में शो 'कॉफी विद करण 9' में पहुंचीं। यहां उन्होंने अपनी फिल्म 'पेद्दी' में अपने किरदार के 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' (वस्तु की तरह पेश किए जाने) पर बात की। उन्होंने माना कि वह 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' को रोकने के लिए और बेहतर कर सकती थीं। उन्होंने इस फिल्म से जुड़े विवाद में अपनी भूमिका की जिम्मेदारी ली है।

बातचीत के दौरान, शो के होस्ट करण जौहर ने जान्हवी से उस आलोचना के बारे में पूछा, जो फिल्म में उनके किरदार को दिखाए जाने के तरीके को लेकर हुई थी। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राम चरण अहम किरदार में थे। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में जान्हवी के किरदार को लेकर काफी विवाद हुआ था। आलोचना का जवाब देते हुए, जाह्नवी ने कहा कि यह बात उनके मन पर लगातार बोझ बनी हुई है। उन्होंने माना कि फिल्म में उनके किरदार को जिस तरह से पेश किया गया, उसे अलग तरीके से दिखाया जा सकता था। उन्होंने कहा, 'इस तरह की कहानी का हमारे समाज पर जो नकारात्मक असर पड़ सकता है, खासकर मेरे जेंडर पर, वह मेरे मन पर एक भारी बोझ की तरह है। यह शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी। क्या मैं और कुछ कर सकती थी? क्या मैं और अधिक सतर्क रह सकती थी? बिल्कुल, हां। क्या यह हद से ज्यादा 'ऑब्जेक्टिफिकेशन' था? क्या इसने कहानी के जरिए यौन उत्पीड़न को भी बढ़ावा दिया? हां। लेकिन अब मैं बस इतना कर सकती हूं कि यह सुनिश्चित करूं कि ऐसा दोबारा न हो।'

अभिनेत्री ने की अच्छा करने की कोशिश

अभिनेत्री ने आगे कहा 'और हां, मुझे यह कहते हुए अच्छा नहीं लग रहा क्योंकि ऐसा लग सकता है कि मैं अपनी गलती दूसरों पर डाल रही हूं, मगर बात यह है कि आपको निर्देशक की बात सुननी पड़ती है। जैसे-जैसे मुझे जानकारी मिलती गई, मैं कोशिश करती रही कि चीजों को कम से कम खराब किया जाए। आप तो जानते ही हैं कि शायद ही कभी कोई पूरी तरह से तैयार स्क्रिप्ट मिलती है। ऐसी स्क्रिप्ट्स में भी बहुत कम ही देखने को मिलता है कि कैमरा एंगल कहां होंगे। दक्षिण में तो शायद ही कभी कोई पूरी तरह से तैयार स्क्रिप्ट होती है, उसमें भी कैमरा एंगल कहां होंगे, यह बहुत कम ही पता चलता है।'

जान्हवी कर सकतीं थीं विशेषाधिकार का इस्तेमाल

जाह्नवी ने आगे कहा कि उन्हें इंडस्ट्री में अपनी स्थिति का बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए था, ताकि वह अपने किरदार को दिखाए जाने के तरीके पर अपनी चिंताएं जाहिर कर पातीं। उन्होंने कहा 'मुझे अपनी तरफ की जिम्मेदारी भी लेनी होगी। मैं एक ऐसी जगह से आती हूं जहां मुझे विशेषाधिकार मिले हुए हैं। मुझे इसका फायदा उठाना चाहिए था, क्योंकि वैसे भी मुझे विशेषाधिकार मिले होने के लिए आलोचना तो झेलनी ही पड़ती है। तो बेहतर होता कि मैं इसका इस्तेमाल कर लेती।'

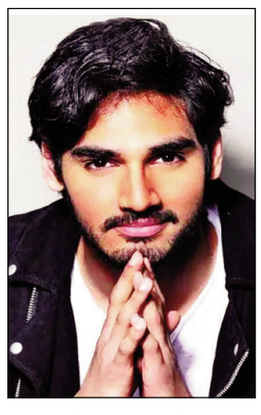


धूम गर्ल की इमेज पर बोलीं ईशा देओल

कहा- मुझे इस पहचान पर गर्व है

अभिनेत्री ईशा देओल एक्शन-क्राइम ड्रामा फिल्म 'प्रताप' की रिलीज के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें गर्व होता है, जब लोग उन्हें आइकॉनिक 'धूम गर्ल' वाली इमेज से याद करते हैं। ईशा देओल ने बातचीत में कहा, 'यह पहचान उनके करियर का एक यादगार हिस्सा है और आज भी फैंस के बीच काफी पसंद की जाती है।' उन्होंने कहा, 'मैंने इस पहचान को गर्व के साथ अपनाया है और यही मेरी पहचान है। जब भी लोग मुझे दिलबरा और धूम गर्ल कहकर बुलाते हैं, तो मुझे अच्छा लगता है, क्योंकि इस इमेज ने दर्शकों के सामने मुझे पहचान दी है, जो बहुत से एक्टर्स को नहीं मिल पाती है।' ईशा देओल ने अपनी मां हेमा मालिनी का उदाहरण देते हुए कहा, 'मेरी मां ने अपने लंबे करियर में बहुत-सी फिल्मों में काम किया है, लेकिन लोग आज भी उन्हें देखते ही कहते हैं, 'बसंती आई है।' मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने करियर में 'दिलबरा' और 'धूम गर्ल' कहा जाता है और मुझे इससे बहुत प्यार है। कोई शिकायत नहीं है।'
बता दें कि अभिनेत्री ईशा देओल को 'धूम गर्ल' की इमेज साल 2004 में यशराज फिल्म्स की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धूम' से मिली थी। फिल्म में ईशा ने 'शीना' का किरदार निभाया था। इसमें उनके आधुनिक, स्टाइलिश और बोल्ड लुक्स ने दर्शकों का ध्यान खींचा था। इस फिल्म के गाने 'दिलबरा' में ईशा के लुक (नियॉन ग्रीन क्रॉप टॉप और डेनिम मिनी-स्कर्ट वाला वेट गर्ल लुक) ने उन्हें रातों-रात चर्चा में ला दिया था। फिल्म रिलीज होने के बाद दर्शकों ने उन्हें 'धूम गर्ल' कहकर पुकारना शुरू कर दिया था, जो उनकी पहचान बन गई थी। अभिनेत्री की बात करें, तो वह फिल्म 'प्रताप' में 'पूनम' (पूनम रानाडे) का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में अमित साध मुख्य किरदार 'प्रताप रानाडे' (एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट) की भूमिका निभा रहे हैं, और पूनम इस कहानी में एक अहम और मजबूत पक्ष हैं।

अहान शेट्टी की एक्शन ड्रामा फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू



'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद अहान शेट्टी एक बार फिर एक्शन करते नजर आएंगे। वह अपनी अगली फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं, जिन्होंने 'रुस्तम' और 'मिशन रानीगंज' जैसी फिल्में बनाई हैं। ज्ञानेंद्र वासुदेव द्वारा लिखी गई 'सनकी' मूल रूप से एक प्रेम कहानी है। इसमें प्यार और भावनाओं के साथ-साथ जबरदस्त और दमदार एक्शन भी देखने को मिलेगा। फिल्म की शूटिंग 30 अक्टूबर से भोपाल में शुरू हो गई है। 'बॉर्डर 2' में अहान के अभिनय और फिल्म की बड़ी सफलता के बाद उन्होंने अपनी अगली फिल्मों का चुनाव काफी सोच-समझकर किया है। अब वह 'सनकी' से शुरुआत करेंगे। इसके बाद वह विक्रम भट्ट की फिल्म '1920 कोल्ड विंटर' में नजर आएंगे। 'सनकी' का निर्माण वी द पीपल, रोरिंग रिवर प्रोडक्शंस और पाल्स एंड पीयर्स एंटरटेनमेंट मिलकर कर रहे हैं। यह फिल्म 2027 की पहली छमाही में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्मों और वेब सीरीज के बदलते अंदाज पर दिव्या दत्ता ने रखी अपनी राय

अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने खास बातचीत में ओटीटी प्लेटफॉर्म के कारण फिल्मों और वेब सीरीज में कहानियां कहने के बदलते अंदाज पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि अब ऐसी कहानियों पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, जिनसे दर्शक खुद को जोड़ सकें। खासकर महिलाओं के किरदारों में यह बदलाव साफ दिखाई देता है। पहले जहां अभिनेत्रियों को अक्सर सीमित उम्र तक ही मुख्य भूमिकाएं मिलती थीं, वहीं अब 40 साल की उम्र के बाद भी उन्हें कई मजबूत और अलग-अलग परतों वाले किरदार निभाने का मौका मिल रहा है। दिव्या ने कहा, ''ओटीटी के आने के बाद कहानी कहने पर काफी जोर दिया जाने लगा है। अब ऐसी वास्तविक कहानियां सुनाई जा रही हैं, जिनसे लोग खुद को जोड़ सकें। मुझे लगता है कि ओटीटी ने अलग-अलग उम्र की महिलाओं के लिए अच्छे किरदारों के रास्ते खोले हैं। अब 20, 30 या 40 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं के लिए भी ऐसे किरदार लिखे जा रहे हैं, जिनमें अभिनय करने की काफी गुंजाइश होती है। पहले यह सोचना भी मुश्किल था कि इस उम्र की महिलाओं को किसी कहानी में मुख्य भूमिका मिल सकती है लेकिन अब किरदारों में पहले के मुकाबले ज्यादा गहराई देखने को मिलती है।'' एक्ट्रेस ने कहा, ''ओटीटी ने इंसानी व्यवहार को ज्यादा वास्तविक तरीके से दिखाने का मौका दिया है। किसी मुश्किल परिस्थिति में हर इंसान की प्रतिक्रिया अलग हो सकती है। गुस्सा करना या गलती कर बैठना किसी व्यक्ति को पूरी तरह अच्छा या बुरा नहीं बना देता। हर इंसान के व्यक्तित्व में कई पहलू होते हैं और ओटीटी ने किरदारों में इन्हीं पहलुओं को जगह दी है और अच्छी लेखनी को बढ़ावा दिया है।'' ओटीटी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि दर्शक अपनी सुविधा के अनुसार, अपनी पसंद के समय पर और अपनी जरूरत के हिसाब से कुछ भी देख सकते हैं। वे चाहें तो अकेले देख सकते हैं या परिवार के साथ बैठकर इसका आनंद ले सकते हैं। जब दर्शकों को इस तरह की स्वतंत्रता मिलती है, तो मनोरंजन की दुनिया में भी बदलाव आता है।''



फिल्मों में काम दिलाने पर सैफ को लेकर बोलीं सारा अली खान



अभिनेत्री सारा अली खान अपनी फिल्म 'उड़ता तीर' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने पारिवारिक बैकग्राउंड को लेकर चल रही चर्चाओं पर बात की है। उन्होंने साफ किया कि उनके पिता और अभिनेता सैफ अली खान ने कभी भी उनके फिल्म कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत नहीं की। उन्होंने एक मशहूर फिल्मी परिवार से आने के दोहरे पहलुओं पर चर्चा की।

पिता ने नहीं की सिफारिश

फिल्मफेयर से बातचीत में सारा ने कहा, 'मैं अपनी सिंगल मदर के साथ रहती हूं। मेरे पिता कभी किसी ऑफिस में जाकर मेरे कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत नहीं करते थे और न ही उन्होंने कभी किसी से मुझे अपनी फिल्मों में लेने की गुजारिश की। जब मुझे 'केदारनाथ' के समय कोई परेशानी हुई, तो मैंने उसे खुद ही सुलझाया। उस वक्त मेरे साथ कोई नहीं था। यह एक दोधारी तलवार की तरह है, क्योंकि इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं रहा है।'

पारिवारिक पृष्ठभूमि का मिला फायदा

सारा ने माना कि अपने परिवार की वजह से उन्हें कुछ खास फायदे जरूर मिले हैं। उन्होंने कहा कि वह इतनी नासमझ या भ्रम में नहीं हैं कि उन मौकों को न देख सकें जो उनके पारिवारिक बैकग्राउंड की वजह से उन्हें शुरुआत में मिल गए थे। हालांकि, उनका यह भी मानना है कि लगातार होने वाली जांच-परख की वजह से उन पर उम्मीदों का बोझ डाल दिया जाता है।

नेपोटिज्म पर क्या बोलीं सारा

सारा ने इस बात पर जोर दिया कि 'नेपोटिज्म' (भाई-भतीजावाद) शब्द को पूरी तरह से नकारात्मक बना दिया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि यह उन स्टार किड्स जैसे कि खुद सारा, जाह्नवी कपूर और अनन्या पांडे की कड़ी मेहनत को कम करके आंकता है, जबकि अपने माता-पिता को चुनने में इन कलाकारों का कोई हाथ नहीं था।

इंडस्ट्री में टिके रहने पर बोलीं सारा

सारा ने यह तो माना कि उन्हें और उनके साथियों को ऐसे शानदार डेब्यू मिले, जिनके लिए कई नए कलाकार तरसते हैं, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर खुद को साबित करने का बोझ हमेशा उन्हीं के कंधों पर क्यों रहता है? हिंदी सिनेमा में अपने आठ साल के सफर के बाद, उनका कहना है कि अब उन्हें बार-बार यह साबित करने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए कि वह इंडस्ट्री में अपनी जगह की हकदार हैं। सारा ने कहा कि भले ही शुरुआत में मिलने वाले फायदे से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन लंबे समय तक टिके रहने के लिए अपनी जिम्मेदारी खुद लेना और स्वतंत्र होना बहुत जरूरी है।

सारा अली खान का वर्क फ्रंट

सारा हाल ही में निर्देशक आकाश ए. कौशिक की फिल्म 'उड़ता तीर' में नजर आई। फिल्म में आयुष्मान खुराना, राहुल बोस, राम कपूर, गुलशन ग्रोवर, रघुबीर यादव, बृजेंद्र काला, संदीप आनंद और अन्य कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस ठीक-ठाक प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म छह दिनों में बॉक्स ऑफिस पर 26.87 करोड़ रुपये कमाए हैं।



स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।